मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 3 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 143 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

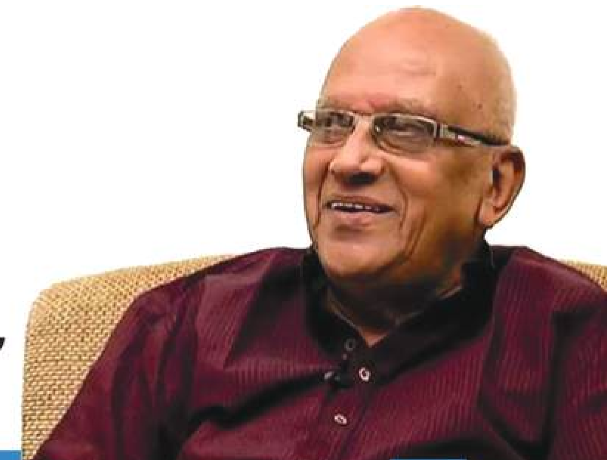

4 ▶▶ बजट 2026 : सावधानी व व्यावहारिकता का भाव

94 की उम्र में डायरेक्शन में वापसी करेंगे निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास, 10 साल के ब्रेक के बाद किया नए प्रोजेक्ट का ऐलान ◀◀ 6

अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद बोले पीएम मोदी

आत्मविश्वास हो तो सबकुछ संभव

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि आत्मविश्वास वह शक्ति है, जो हर लक्ष्य को संभव बनाती है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह विचार साझा किए। प्रधानमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब कुछ ही घंटे पहले भारत और अमेरिका के बीच एक अहम व्यापार समझौते पर सहमति बनी है। इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर राजी हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर हिंदी में लिखा कि आत्मविश्वास वह शक्ति है, जिसकी बदौलत सब कुछ संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों में यही आत्मविश्वास विकसित भारत के सपने को साकार करने में बेहद उपयोगी साबित होगा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ एक संस्कृत श्लोक भी साझा किया, जिसमें धन के सदुपयोग और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की बात कही गई है। श्लोक का आशय है कि धन नेक कार्यों से अर्जित होता है, साहस और आत्मविश्वास से बढ़ता है, कौशल और दक्षता से स्थिर रहता है और अनुशासन के साथ सुरक्षित रहकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देता है।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की जानकारी दी थी। ट्रम्प ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को अपना करीबी मित्र बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच यह समझौता आपसी दोस्ती और सम्मान के आधार पर किया गया है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर भारत पर लगाए गए पारस्परिक शुल्क को घटाने का फैसला लिया गया है। ट्रम्प की पोस्ट के बाद देर रात तक भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी, हालांकि बाद में प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट से दोनों नेताओं के बीच बातचीत की पुष्टि हुई।

व्हाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट की मेटा को कड़ी फटकार

'संविधान नहीं मान सकते, तो भारत छोड़ दें'

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को सख्त चेतावनी दी है कि यूजर डेटा विज्ञापन के लिए साझा नहीं किया जा सकता। अदालत ने शपथपत्र दाखिल करने का आदेश दिया, अन्यथा मामला खारिज होगा।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को मेटाप्लैटफॉर्म्स और उसकी मैसेजिंग सेवा व्हाट्सऐप को कड़ी चेतावनी दी है । अदालत ने साफ कहा कि व्हाट्सऐप यूजर डेटा को विज्ञापन के लिए साझा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती । कोर्ट ने मेटा से एक सप्ताह के भीतर शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह स्पष्ट अंडरटेकिंग हो कि कंपनी किसी भी तरह से यूजर डेटा का विज्ञापन में उपयोग नहीं करेगी।

अदालत की सख्त टिप्पणीः मुख्य न्यायाधीश सुर्या कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि मेटा शपथपत्र दाखिल करने से पीछे हटता है तो मामला सीधे खारिज कर दिया जाएगा। अदालत ने कहा- हम एक शब्द भी डेटा साझा करने की इजाजत नहीं देंगे। यह बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए।

पॉलिसी की भाषा पर सवाल : सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सऐप की 2021 प्राइवेसी पॉलिसी की भाषा पर भी सवाल उठाए. अदालत ने कहा कि आम यूजर, खासकर सड़क पर फल बेचने वाली महिला जैसी साधारण नागरिक, इन शर्तों को समझ ही नहीं सकती। कोर्ट ने पॉलिसी को

चालाकी से तैयार किया गया बताया और कहा कि इसमें ऑप्ट-इन और ऑप्ट-आउट विकल्प आम जनता के लिए समझना मुश्किल है।

लंबा विवाद और जुर्मानाः: यह विवाद 2021 की प्राइवेसी पॉलिसी से जुड़ा है, जिसमें व्हाट्सऐप ने यूजर्स को मजबूर किया था कि वे मेटा कंपनियों के साथ अधिक डेटा साझा करें. प्रतिस्पर्धा आयोग ने नवंबर 2024 में मेटा और व्हाट्सऐप पर 213.14 करोड़ का जुर्माना लगाया था। एनसीएलएटी ने भी इस जुर्माने को बरकरार रखा, हालांकि पांच साल की डेटा शेयरिंग रोक को हटा दिया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है, जहां अंतिम फैसला होगा कि व्हाट्सऐप यूजर डेटा को किस हद तक साझा कर सकता है।

आगे की सुनवाईः सुप्रीम कोर्ट ने मेटा को एक सप्ताह का समय दिया है। अगली सुनवाई में अदालत यह तय करेगी कि व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी भारतीय यूजर्स के हितों के खिलाफ है या नहीं।

कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, रोकी गयी यात्रा

संभाजीनगर: महाराष्ट्र में हाल ही में हुए अजित पवार के विमान हादसे के बाद नेताओं में हवाई यात्रा को लेकर सतर्कता और डर का माहौल बना हुआ है। इसी बीच संभाजीनगर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां बीजेपी नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पंकजा ने तुरंत अपनी यात्रा रोक दी। पायलट की समय रहते दी गई चेतावनी के कारण एक संभावित खतरा टल गया, जिसके बाद पंकजा मुंडे ने कुछ देर के लिए अपनी यात्रा स्थगित कर दी।

लातूर में चुनाव प्रचार के लिए भरनी थी उड़ान : जानकारी के मुताबिक, पंकजा मुंडे को जिला परिषद चुनाव प्रचार के सिलसिले में संभाजीनगर से लातूर जाना था। वह हेलिकॉप्टर से रवाना होने ही वाली थीं कि पायलट ने मशीन में तकनीकी गड़बड़ी की सूचना दी। हालिया हादसों को देखते हुए उन्होंने उसी हेलिकॉप्टर से जाने का जोखिम नहीं उठाया। बाद में प्रशासन और उनकी टीम ने तय किया कि वह अब दूसरे हेलिकॉप्टर के जरिए लातूर की मीटिंग में शामिल होंगी ताकि चुनाव प्रचार प्रभावित न हो।

अजित पवार और विजय रूपाणी के हादसों से सहमे नेताः गौरतलब है कि हाल ही में बारामती में हुए एक दर्दनाक प्लेन क्रैश में एनसीपी नेता और तत्कालीन डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया था। उस हादसे में उनके साथ 5 अन्य लोगों की भी जान चली गई थी, जिसके बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को डिप्टी सीएम बनाया गया है। इस घटना ने राज्य के नेताओं को हवाई सफर के प्रति बेहद सतर्क कर दिया है। विमान हादसों का यह सिलसिला यहीं नहीं थमता; इससे पहले 12 जून 2025 को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी एयर इंडिया फ्लाइट 171 के क्रैश होने से मौत हो चुकी है। वहीं, 2021 में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को भी हेलिकॉप्टर क्रैश में जान गंवानी पड़ी थी। इन लगातार हो रही घटनाओं के कारण अब वीआईपी उड़ानों से पहले सुरक्षा मानकों की दोगुनी जांच की जा रही है।

जेएमएम का 47वां स्थापना दिवस समारोह

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को दी चेतावनी बोले- जरूरत पड़ी तो जाएंगे कोर्ट

दुमकाः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि वह न सिर्फ अपने राज्य के उन अधिकारों को वापस पाने के लिए लड़ेंगे जो केंद्र सरकार के पास हैं, बल्कि जरूरत पड़ी तो कोर्ट भी जाएंगे। हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उक्त बातें उन्होंने दुमका के गांधी मैदान में जेएमएम के 47वें झारखंड दिवस समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहीं।

संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग और वोट चोरी का आरोपः सीएम हेमंत सोरेन ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि संवैधानिक शक्तियों को जेब में रखकर और वोट चोरी कर प्रजातंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही हम मानसिक, बौद्धिक और आर्थिक तौर पर कमजोर हैं, लेकिन मूर्ख नहीं है। हमारे खिलाफ की जा रही राजनीतिक चक्रव्यूह, षड्यंत्र को भली भांति समझते हैं और उसका जवाब भी देना जानते हैं।

एकजुट होने का किया गया आह्वान : सीएम हेमंत सोरेन ने लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आप सब की बदौलत ही हम यहां मौजूद हैं। आप ऐसे ही एकजुट होकर हमारा साथ दें। अगर आप अपना अधिकार प्राप्त करना चाहते हैं तो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें ताकि समाज में वे बेहतर स्थान प्राप्त कर राज्य को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

संथाली भाषा में किया संबोधनः दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संथाली भाषा में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिबू सोरेन को याद करते हुए कहा कि काफी मेहनत से उन्होंने इस राज्य को अलग कराया। यहां के लोगों को उनका अधिकार दिलाने के लिए उन्होंने काफी कष्ट उठाया। उन्होंने कहा कि आज वह हमारे साथ नहीं हैं पर उनकी यादें हमेशा साथ रहेंगी। उन्होंने जो मार्ग दिखाया हमलोग उस पर चलते हुए झारखंड को आगे बढ़ाएंगे।

एसआईआर के प्रति रहे सजग : मंत्री हफीजुल हसन : इधर, झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी और राजमहल सांसद विजय हांसदा ने लोगों से एसआईआर के प्रति सजग रहने की बात कही। मंत्री ने कहा कि एसआईआर के दौरान तरह-तरह का प्रोपेगेंडा अपनाकर नाम काटने का प्रयास किया जा सकता है। वहीं, विजय हांसदा ने कहा ध्यान रखें कि किसी का नाम नहीं कटे।

पश्चिम बंगाल में ईडी का बड़ा एक्शन!

अवैध कोयला खनन मामले में पुलिस अधिकारी समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी से जुड़े मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार 3 फरवरी 2026 की सुबह एक बार फिर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमों ने कोलकाता, दुगार्पुर, आसनसोल और बर्द्धमान समेत राज्य के कुल नौ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई का उद्देश्य कोयला तस्करी से अर्जित अवैध धन के लेन-देन की कड़ियों को खंगालना है। ईडी को आशंका है कि तस्करी से जुटाई गई रकम को हवाला नेटवर्क के माध्यम से इधर-उधर किया गया है। इसी संदेह के आधार पर एजेंसी डिजिटल रिकॉर्ड और अहम दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

कोलकाता के अलावा दुगार्पुर में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। मंगलवार सुबह करीब छह बजे से

सेपको टाउनशिप में एक बालू कारोबारी के आवास पर छापेमारी की जा रही है। वहीं, सिटी सेंटर इलाके में आंबेडकर सरणी स्थित एक संदिग्ध मकान की तलाशी ली जा रही है। पांडवेश्वर और कांकसा में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के समीप स्थित परिसरों पर भी जांच एजेंसी ने दबिश दी है।

जांच के दौरान सामने आया है कि संबंधित कारोबारी अजय और दामोदर नदियों से बालू खनन के काम से जुड़े हुए हैं। आरोप है कि वैध टेंडर का सहारा लेकर बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन किया गया। एक ही चालान को बार-बार इस्तेमाल कर बालू की ढुलाई की गई। बीरभूम जिले के चालान दिखाकर पश्चिम बर्द्धमान जिले से अवैध रूप से बालू की तस्करी किए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। ईडी का कहना है।

सरपंच बनने की सनक ने बनाया कातिल

पिता ने 6 साल की मासूम को नहर में फेंककर उतार दिया मौत के घाट

नांदेड़ : महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ पंचायत चुनाव में सरपंच पद का चुनाव लड़ने की चाहत ने एक पिता को इतना अंधा कर दिया कि उसने अपनी ही 6 साल की मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस जांच में जो सच सामने आया है, वह बेहद चौंकाने वाला है। आरोपी को डर था कि तीन बच्चे होने के कारण वह दो बच्चों के नियम के तहत पंचायत का चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित हो जाएगा, इसलिए अपनी दावेदारी पक्की करने के लिए उसने अपनी एक संतान की बलि चढ़ा दी।

दो बच्चों का कानून बन रहा था रोड़ाः नांदेड़ के केरूर गांव का रहने वाला 28 वर्षीय आरोपी पांडुरंग कोंडमंगले पेशे से एक सैलून चलाता है। पांडुरंग के तीन बच्चे थे, जिनमें 6 साल की दो जुड़वां बेटियां और एक 3 साल का बेटा शामिल है। पांडुरंग की दिली ख्वाहिश थी कि वह गांव का सरपंच बने, लेकिन महाराष्ट्र का पंचायत राज कानून उसके सपनों के आड़े आ रहा था। इस कानून के मुताबिक, दो से अधिक संतान होने पर कोई भी व्यक्ति पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकता है। इसी अयोग्यता से बचने के लिए उसने अपनी ही बेटी को रास्ते से हटाने का फैसला किया।

दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या, कई दिनों से थी लापता

बोकारो : झारखंड पुलिस ने चंदनकियरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास झाड़ियों में 55 वर्षीय महिला का शव बरामद किया, जो कुछ दिनों से लापता थी।

20 जनवरी से लापता थी महिलाः बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने मीडिया को बताया कि मृतका नमिता देवी बोकारो स्टील सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर-2ए की निवासी थीं। वह 20 जनवरी को सुबह की सैर के लिए घर से निकली थीं और इसके बाद लापता हो गई थीं। मृतक के बेटे अमर गोपे ने दांत और हाथ में पहनी चूड़ियों की मदद से शव की पहचान की।

दुष्कर्म और हत्या की

आशंकाः पुलिस ने बताया कि महिला का शव आधा निर्वस्त्र और आंशिक रूप से जला हुआ था। प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। एसपी ने कहा कि फॉरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

पुलिस जांच और हिरासत में व्यक्तिः पुलिस ने मृतक के नमिता देवी पति बोकारो स्टील प्लांट में कर्मचारी हैं, जबकि उनका मायका पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में है। परिवार ने महिला के लापता होने के दिन ही गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मौत, कलश यात्रा से लौटते वक्त हुआ हादसा

कोडरमाः जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहां ट्रेन के चपेट में आने से 13 वर्षीय किशोर की जान चली गई। वहीं इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के गड़गी गांव के समीप की है। मृतक की पहचान पांडू गांव निवासी मुंशी सिंह के पुत्र सन्नी कुमार के रूप में की गई है। तेतरौंन पंचायत के नावाडीह गांव में सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई थी। कलश यात्रा में शामिल होने के बाद सन्नी कुमार वापस लौट रहा था। लौटते समय तभी तेज गति से आ रही 12802 नई दिल्लीझपुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ने की चपेट में आ गया। ट्रेन की टक्कर से सन्नी कुमार का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इधर हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे ने पूरे इलाके में शोक का माहौल पैदा कर दिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

पंचमुखी हनुमान मंदिर के चौथे वर्षगांठ पर भक्ति और उल्लास का संगम

खूंटी : जिले के दतिया स्थित श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के चौथी वर्षगांठ के अवसर पर पूरे गांव में भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस पावन अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य शोभा यात्रा से हुई। सनातनी एवं महावीरी पताकाओं से सजी शोभा यात्रा में ताशा और ढोल की भक्तिमय धुनों पर झूमते-नाचते श्रद्धालुओं ने पूरे गांव का भ्रमण किया। जय बजरंगबली के जयघोष से वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा।

शोभा यात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में विधिवत पूजन, हवन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना में सहभागिता निभाई। इसके बाद प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान 12 घंटे का अखंड कीर्तन भी आयोजित किया गया, जिससे पूरा गांव भक्ति के रंग में रंगा रहा और वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष केदार महतो ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष राजेश कुमार, मुकेश कश्यप, सचिव मुकेश कुमार सहित जितेंद्र कश्यप, सत्येंद्र कश्यप, प्रेम कुमार, सत्यनारायण महतो, धनकुबेर महतो, अरुण महतो, राजकिशोर कश्यप, उमेश कश्यप एवं अन्य सहयोगियों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम के शांतिपूर्ण और भव्य आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश भी देखने को मिला।

मृत्यु व मृत-जन्म निबंधन को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला

चतराः उपायुक्त-सह-जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में सोमवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में रीवैम्ड सीआरएस (सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम) पोर्टल के माध्यम से जन्म, मृत्यु एवं मृत-जन्म के ऑनलाइन निबंधन से संबंधित जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-अपर जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु), चतरा अनुरंजन झा ने कहा कि जन्म एवं मृत्यु जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं का निबंधन नियमानुसार एवं त्वरित गति से सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता एवं एकाग्रता के साथ ग्रहण करने का आह्वान करते हुए कहा कि जन्म-मृत्यु निबंधन राष्ट्रीय स्तर का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची से आए मास्टर ट्रेनर ज्ञानचंद्र महतो द्वारा जन्म-मृत्यु निबंधन अधिनियम, 1969, जन्म-मृत्यु निबंधन की मानक संचालन प्रक्रिया , सीआरएस पोर्टल पर जन्म एवं मृत्यु की ऑनलाइन प्रविष्टि, अनुलब्धता प्रमाण पत्र का ऑनलाइन निर्गमन, शिशु का नाम जोड़ने की प्रक्रिया सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यशाला में जिला शिक्षा पदाधिकारी, उपाधीक्षक सदर अस्पताल चतरा, जिला जनसंपर्क कार्यालय के प्रतिनिधि, प्रखंड विकास पदाधिकारी (कान्हाचट्टी, लावालौंग, हंटरगंज), सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सभी प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक, सभी पंचायतों के पंचायत सचिव, प्रखंड कार्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के जीवनांक लिपिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, जिला सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी सहायक सहित सुनील कुमार गुप्ता, अनूप कुमार एवं अनिल पांडेय समेत अन्य कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को सीआरएस पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन की प्रक्रिया में दक्ष बनाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि जिले में जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जा सके।

एमआईडीएच योजना के तहत पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण का शुभारंभ

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के पांडेपुरा पंचायत सचिवालय भवन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र चतरा उद्यान के तत्वावधान में एमआईडीएच योजना के तहत पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। शिवेंद्र कुमार दुबे (कृषि विज्ञान केंद्र) और बीटीएम संदीप कुमार (ग्रीनरी कंपनी) प्रशिक्षक के द्वारा किसानों को जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके साथ ही किसानों को उद्यानिकी फसलों में लगाने वाले कीट एवं रोग की पहचान और इसके प्रबंधन के उपाय भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को उद्यानिकी फसलों में तकनीकी का प्रयोग कर बेहतर उत्पादन के तरीकों से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को बागवानी से जुड़ी आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देकर उनकी आय में वृद्धि करना तथा स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत किसानों को फल एवं सब्जी उत्पादन की उन्नत विधियां, पौध संरक्षण, कीट एवं रोग प्रबंधन, कम पानी में अधिक उत्पादन, तथा कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त करने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। मौके पर बीटीएम संदीप यादव, पांडेपुरा मुखिया रेणु देवी, गेंजना पंचायत मुखिया चिंता देवी, पंचायत समिति सदस्य लखन दास अलावे दर्जनों लोग मौजूद थे।

आज से मैट्रिक और इंटर की परीक्षाएं हुई शुरू, 1989 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा

संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वर्ष 2026 की मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा आज 3 फरवरी से शुरू हो गई हैं, जिसमें 7 लाख 48 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।

1989 केंद्रों पर सख्त सुरक्षा

परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त बनाने के लिए इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया है। कुल 1,989 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जैक की ओर से सभी जिलों को परीक्षा सामग्री भेज दी गई है। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में कुल 4,23,861 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिनके लिए राज्यभर में 1,232 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

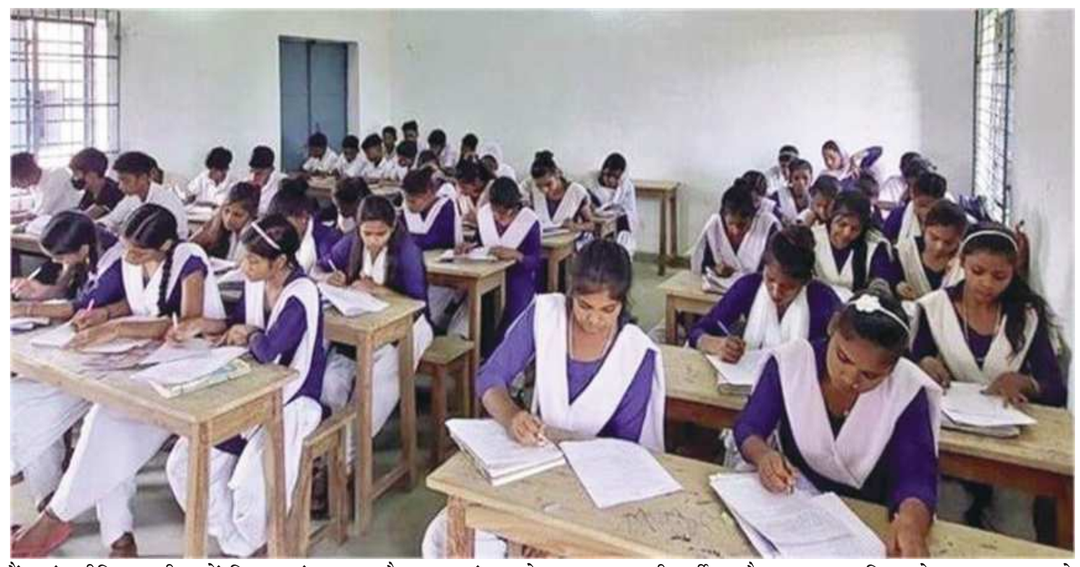

वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 3,24,321 छात्रों ने आवेदन किया है, जिनके लिए 757 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इंटरमीडिएट परीक्षा में विज्ञान संकाय से 90,579, वाणिज्य संकाय से 21,195 और कला संकाय से 2,12,547 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। कक्षा 10 की परीक्षा सुबह नौ बजकर 45 मिनट से अपराह्न एक बजे तक होगी जबकि कक्षा 12 की परीक्षा का समय दोपहर दो बजे से शाम पांच बजकर 15 मिनट तक निर्धारित है। झारखंड अकादमिक परिषद (जेएसी) के सचिव जयंत मिश्रा ने कहा, "कक्षा 10 की परीक्षाएं व्यावसायिक विषयों के साथ शुरू हुईं और कक्षा 12 की परीक्षा दूसरी पाली में होंगी।" उन्होंने बताया कि परीक्षाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, "निष्पक्ष और स्वतंत्र परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और परीक्षा के दौरान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध है।" कक्षा 10 की परीक्षाएं 17 फरवरी को और कक्षा 12 की परीक्षाएं 23 फरवरी को समाप्त होंगी। राज्य में 23 फरवरी को नगर निकाय चुनाव होंगे। मिश्रा ने कहा, "हमने तारीखों के टकराव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग से दिशा-निर्देश मांगे हैं। दिशा-निर्देशों के आधार पर हम आगे के फैसले लेंगे।"

सेल और राइट्स ने डीजल लोकोमोटिव लीजिंग व रखरखाव के लिए समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

संवाददाता

रांची : देश की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपने संयंत्रों और खानों में लॉजिस्टिक्स और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के लिए नवरत्न उपक्रम राइट्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

सेल अपने संयंत्रों और खदानों के परिसर के भीतर एक समर्पित 'मिनी रेल नेटवर्क' संचालित करता है ताकि कच्चे माल की आवक, इन-प्रोसेस ट्रांसफर और तैयार उत्पादों के आउट-बाउण्ड बिना रुकावट परिवहन को सुनिश्चित किया जा सके। अपने डीजल लोकोमोटिव बेड़े के प्रभावी रखरखाव, जिसमें वेट-लीज्ड लोकोमोटिव भी शामिल हैं, परिचालन को बनाए रखने और भविष्य की क्षमता विस्तार एवं विकास की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चूँकि भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की ओर अपनी संक्रमण गति को तेज कर रहा है, राइट्स डीजल लोकोमोटिव संचालन और रखरखाव में मूल्यवान विशेषज्ञता प्रदान करना जारी रखे हुए है, जो सेल के डीजल बेड़े को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। भारतीय रेलवे की सुविधाओं, स्पेयर पार्ट्स और कुशल जनशक्ति के पूल की पहुंच के साथ, राइट्स सेल की परिचालन आवश्यकताओं का को लागू करने और इसके नेटवर्क में विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

यह सहयोग दोनों संगठनों को अपनी मुख्य दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करने, लागत को अनुकूलित करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में योगदान देने में सक्षम बनाएगा। इस समझौता ज्ञापन पर, सेल की ओर से कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) पीके. बैसाखिया और राइट्स की ओर से कार्यपालक निदेशक (तकनीकी सेवाएं) संदीप जैन ने सेल और राइट्स के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

मेला में जुआ बना आकर्षण का केंद्र

मुरी : मेले में जुआ का होना परंपरा बनता जा रहा है। लोग इसे गैर कानूनी नहीं मानते हैं। बीते दिन रामपुर के स्वर्ण रेखा नदी तट के दोनों ओर मेला लगा। एक बरलंगा क्षेत्र तो दूसरा सिल्ली क्षेत्र में है। दोनों ओर ही टेंट लगा कर जुआ खेल हो रहा था। जो युवकों और बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वही ग्रामीण टुसु लेकर नाचते गाते गुजर रहे थे। एक तरफ पाता नाच में लोग मनोरंजन कर रहे हैं । दूसरी तरफ कुछ लोग देशी दारू पी कर मस्ती में रहे। काफी संख्या में मीट के लिए मुरगा काटा गया। मेले के एक छोर पर मुर्गा लडाई आकर्षण का बना रहा। हार जीत के लिए मुरगा लड़ाई में दांव रखा गया। चाहे जुआ हो या मुरगा लड़ाई दोनों में दांव रखा जाता है।

कर्मभूमी एक्सप्रेस को न्यू माल जंक्शन पर मिला ठहराव

जमशेदपुर : टाटानगर से गुजरने वाली कामख्या मुंबई कर्मभूमी साप्ताहिक एक्सप्रेस को पश्चिम बंगाल के अलीपुर द्वार रेल मंडल के न्यू माल जंक्शन पर 5 और 8 फरवरी से अपडाउन में ठहराव दिया गया है। इससे जमशेदपुर और कोल्हान के यात्रियों को आवागमन में सहूलियत होगी। मालूम हो कि, यात्री सुविधा में टाटानगर की बिलासपुर और इतवारी एक्सप्रेस को जनवरी से 15 नए स्टेशनों पर ठहराव दिया गया था।

तजना नदी के तट पर भव्य स्वागत समारोह

नई प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी खुशबू तिर्की का हुआ अभिनंदन

संवाददाता

खूंटीः स्थानीय तजना नदी के मनोरम तट पर खूंटी ग्रामीण डीलर संघ की ओर से एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी खुशबू तिर्की का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया।

इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें जिला व प्रखंड स्तर के वरीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी विशेष रूप से मौजूद रहीं, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई।

ग्रामीण डीलर संघ के सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों का फूल-मालाओं एवं पारंपरिक स्वागत के साथ सम्मान किया गया। इस दौरान नई बीएसओ खुशबू तिर्की को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी गईं। वहीं डीलरों ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं इऊड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र की जन वितरण प्रणाली सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि राशन वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरतना आवश्यक है, ताकि कोई भी गरीब एवं जरूरतमंद लाभुक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने डीलरों से ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की। अधिकारियों ने यह भी कहा कि ताजना नदी के तट पर इस प्रकार के आयोजन से विभाग और डीलरों के बीच आपसी समन्वय एवं संवाद मजबूत होगा, जो प्रखंड के विकास और सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर खूंटी ग्रामीण डीलर संघ के अध्यक्ष, सचिव सहित बड़ी संख्या में जन वितरण प्रणाली के दुकानदार उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और सकारात्मक माहौल बना रहा।

यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन ने केंद्रीय बजट को बताया जनविरोधी

संवाददाता

खूंटी : यूथ कांग्रेस खूंटी के जिला अध्यक्ष आमिर हुसैन ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट की कड़ी आलोचना करते हुए इसे जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता और इसमें युवाओं, किसानों, मजदूरों, गरीबों एवं मध्यम वर्ग के लिए कोई ठोस राहत नहीं दी गई है। आमिर हुसैन ने कहा कि देश का युवा वर्ग आज गंभीर बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, लेकिन केंद्रीय बजट में स्थायी रोजगार सृजन को लेकर कोई स्पष्ट नीति या ठोस रोडमैप नजर नहीं आता। सरकार हर वर्ष रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत में हालात जस के तस बने हुए हैं। किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात तो करती है, लेकिन बजट में किसानों को सीधी राहत देने का कोई प्रभावी प्रावधान नहीं किया गया है। एमएसपी को कानूनी दर्जा नहीं दिए जाने से

किसानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं, जिससे वे लगातार असुरक्षा की स्थिति में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन बजट में महंगाई पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं लगातार महंगी होती जा रही हैं, जिससे आम आदमी का घर चलाना मुश्किल हो गया है, फिर भी सरकार इस गंभीर समस्या पर मौन है। आमिर हुसैन ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों के लिए बजट में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग को आने वाले समय में और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। छात्रों की फीस, किताबें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पहले से ही महंगी हो चुकी है, लेकिन बजट में छात्रों को कोई राहत नहीं दी गई। अंत में उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह जनहित को प्राथमिकता देते हुए बजट में आवश्यक सुधार करे और युवाओं, किसानों, गरीबों तथा मध्यम वर्ग के हित में ठोस और प्रभावी कदम उठाए।

चौथे दिन 31 वार्ड प्रत्याशियों सहित अध्यक्ष पद के 5 अभ्यर्थियों ने किया नामांकन

संवाददाता

चतरा : नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नाम-निर्देशन की प्रक्रिया के चौथे दिन सोमवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। इस दौरान विभिन्न वार्डों से कुल 30 प्रत्याशियों द्वारा वार्ड सदस्य पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए गए।वहीं नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए कुल पाँच प्रत्याशियों राजेश कुमार रौशन, मो० तौफीक आलम, दिनेश कुमार, अमन कुमार एवं मो इरफान आलम द्वारा अपने-अपने नामांकन पत्र समर्पित किए गए। जिला प्रशासन द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नामांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं।नाम-निर्देशन के दौरान विधि-व्यवस्था सामान्य रही।

जिला प्रशासन ने बताया कि पूर्व निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया आगामी तिथियों में भी सुचारु रूप से जारी रहेगी।

रिम्स से बाल कैदी फरार, पेट दर्द की शिकायत पर लाया गया था अस्पताल

मेट्रो रेज

रांची: रिम्स अस्पताल से एक बाल कैदी फरार हो गया है। पेट दर्द की शिकायत करने के बाद दो दिन पहले ही उसे बाल सुधार गृह प्रशासन द्वारा रिम्स के ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था। इलाज के दौरान वह मंगलवार अहले सुबह सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। बाल कैदी को रांची के डूमरदगा स्थित बाल सुधार गृह में रखा गया था।

चोरी के मामले में था वांछितः रांची पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाल कैदी रांची के खलारी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। चोरी के एक मामले में कुछ दिनों से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी लेकिन चार दिन पहले उसने आत्मसमर्पण कर दिया था। आत्मसमपर्ण करने के बाद उसे पुलिस ने निरुद्ध करते हुए रांची के डुमरदगा का स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया था।

जांच जारीः रांची के सदर डीसीपी संजीव बेसरा ने बताया कि वॉशरूम जाने के बहाने बाल कैदी के फरार होने की सूचना मिली है। चोरी के एक मामले में उसे निरुद्ध किया गया था, जिसके बाद वह बाल सुधार गृह में था। लेकिन तबीयत खराब होने के बाद उसे रिम्स में इलाज के लिए लाया गया था। जहां से वह फरार हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही साथ बाल कैदी की तलाश भी तेज कर दी गई है।

आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष एजाज गद्दी ने लोगों से की शांति और भाईचारे की अपील

रांची : नगर निगम चुनाव को लेकर वार्ड संख्या 23 में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष एजाज गद्दी ने मतदाताओं से शांति, सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है, इसे आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ संपन्न करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

एजाज गद्दी ने कहा कि वार्ड 23 से कई उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं और अधिकांश उम्मीदवार एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में सामाजिक या पारिवारिक संबंध रखते हैं। ऐसे में चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण आपसी रिश्तों में खटास आना दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे बिना किसी दबाव के, अपने विवेक और पसंद के अनुसार मतदान करें, लेकिन किसी भी स्थिति में आपसी एकता, सहयोग और भाईचारे को कमजोर न होने दें। उन्होंने कहा कि मतभेद स्वाभाविक हैं, परंतु मनभेद समाज को कमजोर करते हैं।

आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि वार्ड 23 के जागरूक मतदाता लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए शांति और सौहार्द का परिचय देंगे तथा चुनाव को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ संपन्न करेंगे।

केंद्रीय बजट से किसानों को बड़ी राहत : पवन साहू

मेट्रो रेज

रांचीः केंद्रीय बजट केंद्रीय बजट 2026 /27 को लेकर देश भर के किसानों की उम्मीद काफी बढ़ गयी है। बढ़ती खेती लागत, बदलते मौसम, फसल नुकसान और आज सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किस सरकार से ठोस फसलों की अपेक्षा कर रहे हैं। 1 फरवरी को आया केंद्रीय बजट किसानों के लिए आने वाले वर्षों की खेती की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में मौसम की मार में किसने की कमर तोड़ दी है।

बेमौसम बारिश, सूखा और प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को और प्रभावी बनाने, क्लेम प्रक्रिया को सरल

करने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश के कई कृषि क्षेत्र आज भी बारिश पर निर्भर हैं। सिंचाई के लिए स्थाई जल व्यवस्था समय की सबसे बड़ी जरूरत है। नहरों की मरम्मत, ड्रीप व स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों और जल संरक्षण योजनाओं के लिए बजट में अधिक आवंटन होना चाहिए।

पवन साहू ने नकली बीजों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि घटिया बीज किसानों की मेहनत को बर्बाद कर रहे हैं। यदि नया सीड कानूनी सख्ती से लागू किया जाता है, तो इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा की खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सस्ते कृषि ऋण और आसान क्रेडिट व्यवस्था किसानों के लिए बेहद जरूरी है, ताकि वह निजी साहूकारों पर निर्भर ना रहें। प्रदेश अध्यक्ष ने पीएम धन-धान्य कृषि योजना के विस्तार, कृषि व खाद्य निर्यात को प्रोत्साहन देने और बेहतर स्टोरेज व कोल्ड चैन व्यवस्था की भी मांग की।

अब वादों का नहीं, काम का चुनाव!

वार्ड संख्या 23 में फिर विकास की लड़ाई लड़ेंगी साजदा खातून

मेट्रो रेज

रांची : नगर निगम चुनाव की सरगर्मी के बीच वार्ड संख्या 23 में चुनावी चर्चा का केंद्र एक बार फिर विकास और जनसेवा बन गई है। अब वादों का नहीं, काम का चुनाव – इस जज्बे के साथ तीन बार की पार्षद साजदा खातून एक बार फिर जनता के बीच हैं और विकास की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

एक मुलाकात के दौरान जब मतदाताओं से सीधे संवाद हुआ, तो लोगों की बातों में भरोसा, अनुभव और यादें साफ झलक रही थीं। खासकर लॉकडाउन के कठिन दिनों को जनता आज भी याद कर रही है। मतदाताओं का कहना है कि जब पूरा शहर ठहर सा गया था, तब साजदा खातून ने अपनी जान की परवाह किए बिना जरूरतमंदों की सेवा की। राशन, दवाइयां, इलाज और हर संभव

मदद पहुंचाने में वे दिन-रात लगी रहीं।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि साजदा खातून सिर्फ चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर संकट में जनता के साथ खड़ी रहीं। टूटी सड़कों, जल निकासी, पेयजल, सफाई और बुनियादी सुविधाओं के लिए उन्होंने लगातार संघर्ष किया। उनके कार्यकाल में वार्ड की समस्याओं को नगर निगम तक मजबूती से उठाया गया।

जनता का कहना है कि साजदा खातून का काम बोलता है। वे भावनाओं से नहीं, बल्कि जमीन पर किए गए कार्यों से भरोसा जीतती हैं। यही वजह है कि वार्ड 23 में यह चुनाव सिर्फ एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष और विश्वास का जनमत बन चुका है। आज वार्ड संख्या 23 की जनता फिर उसी सवाल के साथ खड़ी है–

वादों पर नहीं, काम पर वोट! और इस सोच के साथ विकास की इस लड़ाई में साजदा खातून को एक बार फिर मजबूत समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है।

वार्ड 22 से मो असलम ने किया नामांकन समर्थकों का जनसैलाब पहुंचा समाहरणालय

गुलाम शाहिद

रांचीः गरीबों के हमदर्द और पूर्व वार्ड पार्षद मो असलम ने आज वार्ड संख्या 22 से अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस अवसर पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ रैली के रूप में समाहरणालय परिसर तक पहुँची। पूरे क्षेत्र में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए मो असलम के समर्थन में अपनी एकजुटता दिखाई। चाहे कड़ाके की ठंड हो या भुखमरी के कठिन दिन, हर परिस्थिति में गरीबों और मजलूमों के बीच रहने वाले मो असलम के लिए लोगों का प्यार साफ झलकता नजर आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मो असलम ने हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है और जमीन से जुड़कर काम किया है। इसी विश्वास और सेवा भाव के कारण आज वार्ड 22 की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

समर्थकों और क्षेत्रवासियों की एक ही दुआ है कि वार्ड संख्या 22 से मो। असलम की जीत सुनिश्चित हो और वे एक बार फिर जनता की आवाज बनकर उभरें।

शब-ए-बरात आज, सभी तैयारियां पूरी, प्रशासन ने की सहयोग की अपील

मेट्रो रेज

रांचीः आज शब-ए-बरात के पावन अवसर पर शहर भर में श्रद्धा और आस्था के साथ इबादतों का आयोजन किया जाएगा। इस शुभ रात्रि को देखते हुए संबंधित प्रशासन, धार्मिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

मस्जिदों, दरगाहों और कब्रिस्तानों में साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि आम नागरिक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में इबादत कर सकें। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभाग सतर्क रहेंगे। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें, अनावश्यक भीड़ से बचें और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। साथ ही बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों का विशेष ख्याल रखने का अनुरोध भी किया गया है।

शब-ए-बरात क्षमा, रहमत और मगफिरत की रात है। कामना है कि यह पवित्र अवसर सभी के जीवन में शांति, भाईचारे और समृद्धि का संदेश लेकर आए।

रांची नगर निगम चुनाव : वार्ड 17 से फातिमा सलाहउद्दीन ने दाखिल किया नामांकन

गुलाम शाहिद

रांचीः आगामी रांची नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में वार्ड नंबर 17 से पार्षद पद के उम्मीदवार फातिमा सलाहउद्दीन ने आज विधिवत रूप से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के साथ ही उन्होंने चुनाव मैदान में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।नामांकन के अवसर पर फातिमा के साथ बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड नंबर 17 के समग्र विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करुंगी । स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली, शिक्षा तथा अन्य मूलभूत

सुविधाओं को प्राथमिकता देना उनकी मुख्य योजना में शामिल है।फातिमा की उम्मीदवारी को लेकर वार्डवासियों में उत्साह देखा जा रहा है। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका, सरल व्यवहार और जनसमस्याओं के प्रति गंभीरता के कारण उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। नामांकन के साथ ही वार्ड नंबर 17 में चुनावी माहौल और अधिक गर्म हो गया है तथा आने वाले दिनों में प्रचार अभियान के तेज होने की उम्मीद है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त का कार्यालय, रामगढ़।
(मीडिया कोषांग)
दूरभाष : 06553-296306 (0) Email ID: ramgarhdpro@gmail.com

::–आदेश–::

एतद् द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि राज्य निर्वाचन आयोग झारखण्ड निर्वाचन भवन' न्यू मार्केट चौक, रातू रोड राँची के प्रेस नोट संख्या–187 दिनांक 27.01.2026 द्वारा नगर परिशद रामगढ़ आम निर्वाचन 2026 की घोषणा कर दी गयी है। दिनांक 28.01.2026 से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गयी है।

इस संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 क, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली की अधिसूचना सं०–491/मीडिया/2012 दिनांक 08.06.2010 तथा पत्रांक–3/9/2007/JSII दिनांक–16.10.2007 के आलोक में :–

पुस्तिकाओं, पोस्टरों आदि के मुद्रण पर निर्बन्धन– (1) कोई भी व्यक्ति कोई ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर जिसके मुख्य पृष्ट पर उसके मुद्रक एवं प्रकाशक के नाम और पते न हो मुद्रित या प्रकाशित नहीं करेंगे और न मुद्रित या प्रकाशित करायेंगे।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर को– (क) उस दशा में के सिवाय न तो मुद्रित करेंगे और न मुद्रित करायेंगे जिसमें वह उसके प्रकाशक की अनन्यता के बारे में अपने द्वारा हस्ताक्षरित और ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा जो स्वयं उसे जानते है अनुप्रमाणित द्विप्रतीक घोशणा मुद्रक को परिदत्त कर देता है: तथा (ख) उस दशा में के सिवाय न तो मुद्रित करेंगे और न मुद्रित करायेंगे जिसमें की मुद्रक घोशणा की एक प्रति दस्तावेज की एक प्रति के सहित–

i उस दशा में जिसमें की वह राज्य की राजधानी में मुद्रित की जाती है मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को, तथा

ii किसी अन्य दशा में उस जिले के जिसमें की वह मुद्रित की जाती है जिला मजिस्ट्रेट को दस्तावेज के मुद्रण के पश्चात युक्तियुक्त समय के भीतर भेज देता है।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए –

(क) दस्तावेज की अनेकानेक प्रतियां बनाने की किसी ऐसी प्रक्रिया की बाबत जो हाथ से नकल करके ऐसी प्रतियां बनाने से भिन्न है यह समझा जायेगा वह मुद्रण है, और "मुद्रक" पद का अर्थ तदनुसार लगाया जायेगा: तथा

(ख) "निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर" से किसी अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों के समूह के निर्वाचन को सम्प्रवर्तित या प्रतिकलतः प्रभावित करने के प्रयोजन के लिए वितरित कोई मुद्रित पुस्तिका, पर्चा या अन्य दस्तावेज या निर्वाचन के प्रति निर्देश करने वाला कोई प्लेकार्ड या पोस्टर अभिप्रेत है, किन्तु किसी निर्वाचन सभा की तारीख, समय, स्थान और अन्य विशिश्टयों को केवल आख्यापित करने वाला या निर्वाचन अभिकर्ताओं या कार्यकर्ताओं को चर्या संबंधी अनुदेश देने वाला कोई पर्चा, प्लेकार्ड या पोस्टर इसके अन्तर्गत नहीं आता।

(4) कभी–कभी प्रिन्ट मीडिया में ऐसे विज्ञापन भी प्रकाशित किए जाते है, जो प्रतिनिधि अर्थात सरोगेट विज्ञापन होते है तथा कुछ विज्ञापन किसी संख्या के नाम से होते है। अतः निर्वाचन के दौरान प्रिंट मीडिया विशेशकर अखबारों में किसी विशेश अभ्यर्थी के लिए या उसके विरूद्ध प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के संबंध में तथा ऐसे अन्य विज्ञापन जिनके स्रोत का पता नहीं है, के संबंध में निम्नलिखित कार्रवाई की जायेगी।

(5) यदि विज्ञापन के साथ अभ्यर्थी का प्राधिकार पत्र नहीं है, तो भारतीय दण्ड संहिता की धारा 171(ज) के उल्लंघन के लिए प्रकाशक के विरूद्ध अभियोजन की कार्रवाई की जायेगी।

(6) जो कोई व्यक्ति उपधारा (1) या उपधारा (2) के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करेगा वह कारावास से, जिसकी अवधि छः मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो दो हजार रूपए तक का हो सकेगा, या दोनों से, दंडनीय होगा।

अतः सभी प्रिंटिंग प्रेस/सभी मान्यता प्राप्त/गैर मान्यता प्राप्त/पंजीकृत राजनीतिक दल, रामगढ़ जिला को निदेश दिया जाता है कि उपरोक्त उल्लेखित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127क का अक्षरशः अनुपालन करते हुए किसी राजनीतिक दल/उम्मीदवार एवं व्यक्ति से संबंधित प्रिंटिंग कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। उक्त अधिनियम की अवहेलना करने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951, चुनाव संचालन अधिनियम 1961 एवं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

नोटः– निर्वाचन पोस्टर,पम्पलेट इत्यादि के प्रकाशक द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली घोशणा का प्रपत्र जिला जनसम्पर्क कार्यालय,

रामगढ़ के सूचना पट्ट एवं वेबसाईट www.ramgarh.nic.in/ पर उपलब्ध है।

ह०/–
वरीय पदाधिकारी, मीडिया कोषांग
–सह– जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी,
रामगढ़

PR 372166 (Election)25-26*D

इंद्रजीत सिंह बने रांची महानगर कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह प्रवक्ता

मेट्रो रेज

रांचीः महानगर कांग्रेस कार्यालय में आज युवा नेता सह समाजसेवी इंद्रजीत सिंह को नई जिम्मेवारी के रूप में महासचिव सह प्रवक्ता नियुक्त किया गया ।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश , महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ,कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर , मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह,प्रदेश कांग्रेस के सचिव शहबाज अहमद सभी द्वारा नियुक्ति पत्र देकर शुभकामनाएं दी गयी।

विदित हो की इंद्रजीत सिंह ने अपनी राजनीति की शुरूवात छात्र संगठन एनएसयूआई से की । युवा कांग्रेस के बाद असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) एवं अब मुख्य मेन विंग में रांची महानगर कांग्रेस में महासचिव सह

प्रवक्ता के रूप में नई ज़िम्मेवारी दी गई । इंद्रजीत सिंह ने कहा कि जो नई जिम्मेवारी मिली है उसे पूरी ईमानदारी से तन मन धन के साथ पार्टी के दिशा निर्देश में काम करेंगे । इंद्रजीत सिंह ने विशेष तौर पे रांची महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार राजा जी का धन्यवाद किया । महासचिव सह प्रवक्ता बनने पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव कमलेश महतो , पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय , लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की , स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर,

मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, गो आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ,युवा आयोग अध्यक्ष कुमार गौरव, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बनना गुप्ता, खिजरी विधायक राकेश कच्छप , कांके विधायक सुरेश बैठा, बेरमो विधायक अनूप सिंह , यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव, प्रदेश कांग्रेस के सचिव शहबाज अहमद, अमरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह , एन एसयूआई की राष्ट्रीय संयोजक आरुषि वन्दना , महासचिव संजू चौबे, हटिया प्रखंड अध्यक्ष गोपाल उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष चंदन यादव एव तमाम कांग्रेस जनों ने बधाई एव शुभकामनाएं दी।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

तेज हो बजट लक्ष्यों को हासिल करने की रफ्तार

केंद्रीय बजट पेश करते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार के जिन तीन कर्तव्यों की चर्चा की उसमें वैश्विक परिस्थितियों का सामना करते हुए आर्थिक विकास को तेज व सतत बनाए रखने, जनआकांक्षाओं को पूरा करने व संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक सबकी पहुंच की बात कही। इन्हीं कर्तव्यों को ध्यान में रखकर उन्होंने बजट पेश करने का दावा भी किया। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने का उद्देश्य रखते हुए ही बजट में विकास, रोजगार, आत्मनिर्भरता, गरीबी कम करना और वैश्विक चुनौतियों से निपटने जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया है।

वित्त मंत्री ने यह बजट ऐसे दौर में पेश किया है जब टैरिफ के दबाव के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर दूसरे कारणों से व्यापारिक उथल-पुथल का सिलसिला जारी है। ऐसे माहौल में वैश्विक व्यापार और निवेश को आकर्षित करना बड़ी चुनौती है। इसीलिए विदेशी निवेश को भारत की बदलती आर्थिक प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने के लिए वित्त मंत्री ने कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूत करने की योजना बनाने की बात कही है। भारतीय इकॉनोमी की रीढ़ की हड्डी समझे जाने वाले एमएसएमइ सेक्टर के लिए एमएसएमइ विकास निधि का प्रावधान भी औद्योगिक प्रोत्साहन की दिशा में ठोस कदम कहा जा सकता है। इससे एमएसएमइ सेक्टर और मजबूत होगा। बायोफॉर्मा शक्ति को महसूस करते हुए बजट में बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स के घरेलू उत्पादन के लिए इको-सिस्टम का निर्माण करने की बात कही गई है। टेक्नोलॉजी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर और रेयर अर्थ माइनिंग में निवेश बढ़ाने की घोषणा को भारत को वैश्विक टेक हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम ही कहा जाएगा। उच्च-मूल्य कृषि पर बजट का विशेष जोर है। साथ ही ग्रामीण और उप-शहरी रोजगार बढ़ाने के लिए पशुपालन में उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। रक्षा व्यय बढ़ाकर सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि सुरक्षा के मामले पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। शुगर व कैंसर की दवा सस्ती करने को भी आम आदमी को राहत पहुंचाने वाला कहा जाएगा। लेकिन चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में काफी कुछ करने की आवश्यकता थी। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। क्योंकि आम आदमी की जेब में रकम तब ही पहुंच पाती है जब रोजगार के अवसर भी बढ़ें। सही मायने में दीर्घकालीन उद्देश्यों को लेकर उठाए गए तमाम कदम भविष्य के विकास की राह भी खोलने वाले होते हैं।

मोटे तौर पर बजट में सरकार ने रिफॉर्म पर जोर दिया है लेकिन जिस रिफॉर्म्स एक्सप्रेस का दावा किया जा रहा है वह भी कोई जादुई चिराग नहीं हो सकता। रिफॉर्म्स वस्तुतः एक सतत प्रकिया है। सही मायने में विकास की रफ्तार को टॉप गियर में डालने के सरकार के प्रयास तब ही सफल होंगे जबकि बजट में तय किए गए लक्ष्यों को पाने की रफ्तार भी तेज हो।

जातिविहीन समाज की रचना नई सोच से ही संभव

शैक्षणिक संस्थानों में जातीय भेदभाव रोकने के मकसद से बनाए गए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों (यूजीसी समता विनियम- 2026) पर रोक लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जो टिप्पणी की वह महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है। न सिर्फ शैक्षणिक संस्थानों के लिए बल्कि कैम्पस से बाहर सक्रिय विभिन्न समाजों के लिए भी। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'हमारा लक्ष्य जातिविहीन समाज बनाना है, क्या इसके बदले हम उल्टी दिशा में जा रहे हैं? हमें उस दिशा में नहीं जाना चाहिए, जहां अलग-अलग स्कूल बना दिए जाएं, जैसे अमेरिका में होता है- श्वेत और अश्वेत बच्चों के लिए अलग-अलग स्कूल। अदालत में यूजीसी समता विनियम के 'सेक्शन-3सी' को चुनौती दी गई है, जिसमें एसटी, एससी और ओबीसी के खिलाफ जाति आधारित भेदभाव को परिभाषित किया गया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इससे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को गलत तरीके से फंसाया जा सकता है। नए प्रावधान सामने आने के बाद से ही इसका देशव्यापी विरोध हो रहा था। अब एक विशेषज्ञ समिति नए नियमों के प्रावधानों और इसकी भाषा पर पुनर्विचार करेगी। एक समय था जब मान लिया गया था कि जातीय भेदभाव का शिकार केवल वंचित तबके के लोग ही होते हैं। यह सच भी था। आजादी के बाद समानता मूलक समाज बनाने की दिशा में सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर काफी प्रयास हुए हैं। इनमें आरक्षण जैसे उपाय शामिल हैं। राजनीतिक तौर पर भी वंचित तबकों का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। सरकार ने हाल में संसद में बताया कि निचली अदालतों में नियुक्त 46 फीसदी जज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के हैं। कमोबेश यह स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी देखी जा सकती है। वंचित समाज से आने वालों की प्रताड़ना रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, जिनके दुरुपयोग की शिकायतें भी आती रहती हैं। हालांकि, इन सबके बावजूद हम यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि समाज से जातीय भेदभाव समाप्त हो गए हैं। उल्टा यह देखा जा रहा है कि विभिन्न समाजों की जातीय चेतना मजबूत ही हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जाति के आधार पर छात्रावास की कल्पना को खतरनाक माना है, लेकिन आज भी यह हकीकत है। न सिर्फ छात्रावास बल्कि, घरों और गाड़ियों में भी लोग जातीय पहचान का प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। ऐसे माहौल में यह जरूरी है कि पढ़ाई के बाद विश्वविद्यालयों से बाहर आने वाले युवा समाज में जागृति लाएं और बंटे हुए नहीं बल्कि, एकजुट देश का निर्माण करें। शैक्षणिक संस्थानों के कैंपस ही जातिविहीन समाज की स्थापना की प्रयोगशाला हो सकते हैं। हालांकि अब तक हुआउल्टा ही है। समय आ गया है कि जातीयता से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों को तवज्जो दी जाए। इसकी शुरूआत पीड़ित या प्रताड़ित की जाति पर गौर किए बिना, सिर्फ मानवीय आधार पर, कार्रवाई सुनिश्चित कर हो सकती है। जातिविहीन समाज की रचना जातीय जड़ों को मजबूती देकर नहीं हो सकती।

बजट 2026: सावधानी व व्यावहारिकता का भाव

> खर्च की दिशा में बजट ने पूंजीगत निवेश पर जोर कायम रखा है। बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है, जो विकास के लिहाज से जरूरी है, बशर्ते यह उच्च गुणवत्ता का हो और निजी निवेश को पीछे न धकेले। सेवाओं के क्षेत्र में भी भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। एमएसएमई पर फोकस भी खास महत्व रखता है।

अजीत रानाडे

आज भारत की अर्थव्यवस्था की बाहरी तस्वीर आश्वस्ति प्रदान करने वाली दिखाई देती है। तिमाही आधार पर विकास दर मजबूत बनी हुई है, महंगाई काबू में है, बैंकों के मुनाफे बेहतर हुए हैं और एनपीए में भी कमी आई है। लंबे समय तक कर्ज घटाने के बाद कंपनियों की माली हालत में भी सुधार है। लेकिन यही सतही शांति दरअसल सतर्क रहने का संकेत देती है। इसी कारण केंद्रीय बजट को किसी उत्सव की तरह नहीं, बल्कि एक कड़ी परीक्षा के रूप में देखना जरूरी है। क्योंकि यह सब कुछ ठीक-ठाक वाली स्थिति पूरी तरह स्थायी नहीं है।

दरअसल यह गोल्डीलॉक्स चमक शर्तों पर टिकी है। विकास की रफ्तार का बड़ा सहारा केंद्र सरकार का भारी पूंजीगत खर्च रहा है। यह इंजन हमेशा के लिए नहीं चल सकता, क्योंकि इससे कर्ज पर दबाव बढ़ता है। दूसरी ओर, कम महंगाई का एक कारण खाद्य पदार्थों के दामों में गिरावट भी है, जो लंबे समय तक बनी रहे, यह जरूरी नहीं। बजट-पूर्व संकेत भी चेताते हैं कि वित्त वर्ष 2026 के अप्रैल से दिसंबर के बीच देश के आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन साल भर पहले की तुलना में सिर्फ 2.6 प्रतिशत ही बढ़ पाया, जो अर्थव्यवस्था की अंदरूनी कमजोरी की ओर इशारा करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवां बजट इस मूल भाव के साथ पेश किया–सावधानी के साथ व्यावहारिक फैसले। यानी सरकारी खर्च और घाटे को तय रास्ते पर बनाए रखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने व विकास क्षमता बढ़ाने की दिशा में हल्का-सा धक्का देने की कोशिश।

सबसे पहले आंकड़ों पर नजर डालें। सरकार ने कुल खर्च 53.5 लाख करोड़ रुपए रखने का प्रस्ताव किया है, जो पिछले संशोधित अनुमान से करीब 7.7 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उधारी को छोडकर सरकार की आमदनी 36.5 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो 4.5 प्रतिशत से नीचे रहने के वादे के अनुरूप है। यह संयम इसलिए जरूरी है, क्योंकि आज की दुनिया में हालात अचानक बदल सकते हैं। विदेश से पैसा जुटाना कभी भी महंगा हो सकता है और किसी देश की साख पर जरा-सी आंच भी विदेशी पूंजी की लागत बढ़ा देती है। लेकिन सरकार के लिए पैसा जुटाने का माहौल सहज नहीं है। इस साल केंद्र सरकार ने करीब 17.2 लाख करोड़ रुपए उधार लेने की योजना बनाई है और राज्यों की उधारी अलग से 12.6 लाख करोड़ है–दोनों मिलकर बॉन्ड बाजार पर भारी दबाव डालते हैं। इसीलिए रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरें नरम किए जाने के बावजूद लंबे समय के सरकारी बॉन्डों पर ब्याज करीब 7 प्रतिशत पर अटका हुआ है। यह स्थिति निजी कंपनियों को नया निवेश करने से हतोत्साहित करती है। सरकारी राजस्व की बढ़त भी कमजोर है। अप्रैल-नवंबर में केंद्र सरकार का कर संग्रह सिर्फ 3.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पूरे साल के लिए 10.8 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान था। अगर इस साल अर्थव्यवस्था की नाममात्र वृद्धि 8 प्रतिशत के आसपास ही रहती है या लोगों का खर्च कमजोर बना रहता है, तो राजकोषीय गणित संभालना कठिन होगा। तब विकास को सहारा दे रहे उसी पूंजीगत खर्च में कटौती का दबाव बन सकता है।

इसी बीच प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) में किया गया हल्का बदलाव भी इसी वजह से था–सरकार को कुछ अतिरिक्त राजस्व मिले और शेयर बाजार के डेरिवेटिव कारोबार में जरूरत से ज्यादा सट्टेबाजी पर लगाम लगे। हालांकि इससे बाजारों में उथल-पुथल हुई, जिससे उबरने की उम्मीद है। खर्च के मोर्चे पर देखें तो बजट में पूंजीगत खर्च पर जोर बरकरार रखा गया है। बुनियादी ढांचे पर होने वाला सरकारी निवेश करीब 9 प्रतिशत बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव है– बशर्ते यह उच्च-गुणवत्ता का हो और निजी निवेश को हाशिये पर न धकेले।

इसके साथ ही बजट ने सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का बड़ा लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य केवल सॉफ्टवेयर तक सीमित नहीं है, बल्कि कंटेंट निर्माण, डिजाइन, स्वास्थ्य, पर्यटन तथा मेडिकल टूरिज्म को भी इसमें शामिल किया गया है। सेवाओं के इन क्षेत्रों में भारत को पहले से तुलनात्मक बढ़त हासिल है, पर बड़ी बढ़त के लिए कौशल-उत्पादकता में छलांग जरूरी होगी। यानी असली चुनौती है– बेहतर प्रशिक्षण और ज्यादा उत्पादक कामकाज। इसी सोच के तहत शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता तक की पूरी कड़ी जोड़ने, औद्योगिक क्लस्टरों को प्रशिक्षण संस्थानों से जोड़ने और पुराने क्लस्टरों को पुनर्जीवित करने की बात कही गई है। मसलन, वस्त्र और चमड़ा जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण संस्थानों को उसी क्षेत्र के औद्योगिक क्लस्टरों से जोड़ा जाएगा। साथ ही देश भर में फैले 200 से अधिक पुराने औद्योगिक क्लस्टरों को फिर से सक्रिय करने की योजना है। इससे रोजगार बढ़ाने में मदद मिलेगी, क्योंकि सप्लायर नेटवर्क, परिवहन व्यवस्था, गुणवत्ता मानक और कुशल श्रमिक–सभी एक साथ मजबूत होंगे।

छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) पर बजट का ध्यान खास तौर पर सराहनीय है। समय पर भुगतान न मिलना और काम चलाने के लिए पूंजी की कमी छोटे कारोबारों को अंदर ही अंदर खत्म कर देने वाली समस्याएं हैं। टीआरईडीएस के जरिए बिल डिस्काउंटिंग को मजबूत करने जैसे कदम भले ही बहुत आकर्षक न लगें, लेकिन ऐसे ही सुधार छोटे उद्यमों को टिकाए रखते हैं और उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाते हैं। फिर भी निजी निवेश वह कड़ी है, जो अब तक कमजोर बनी हुई है। यहीं बजट जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट जैसे एक सरल, लेकिन प्रभावी सुधार से चूक गया। पूंजीगत सामान पर टैक्स क्रेडिट का वर्षों तक फंसा रहना नई फैक्ट्रियां लगाने और क्षमता बढ़ाने के फैसलों को टाल देता है। यह सुधार निवेश की लागत घटा सकता था और निजी क्षेत्र को ठोस प्रोत्साहन दे सकता था। बजट का एक कमजोर पक्ष यह भी है कि इसमें वितरण के सवालों पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है। ऊंची विकास दर और आर्थिक स्थिरता के साथ असमानता बढ़ सकती है, खासकर तब जब रोजगार सृजन धीमा हो। कृषि का हिस्सा घटने के बावजूद बड़ी आबादी का उसी पर निर्भर रहना इसी असंतुलन को दिखाता है। यदि इन मुद्दों को सीधे और साफ ढंग से नहीं साधा गया, तो आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत दावों पर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

एक और चिंता घरेलू वित्तीय बचत की घटती हिस्सेदारी है। पेंशन, बीमा और दीर्घकालीन घरेलू पूंजी को मजबूत करना जरूरी है, ताकि विकास के लिए स्थायी संसाधन उपलब्ध हों। इस दिशा में

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में युवाओं की सहभागिता

> राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभुत्व को बनाए रखने तथा जनमानस के सर्वोपरि हितों की रक्षा के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। यदि हम हिमाचल प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में सॉफ्ट पावर के अध्ययन की परिकल्पना करें, तो प्रदेश की समृद्ध सभ्यता, संस्कृति, परंपराएं और विशिष्ट भौगोलिक स्थिति इसकी पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित कर सकती हैं। दुर्भाग्यवश, प्रदेश का कोई भी संस्थान अब तक हिमाचल की सॉफ्ट पावर पर ठोस शोध कर सरकार के समक्ष प्रमाणिक आंकड़े प्रस्तुत करने में सफल नहीं हो पाया है।

डा. कर्म सिंह ठाकुर

हिमाचल प्रदेश के युवाओं को भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन का अवसर मिलना चाहिए। वर्तमान समय में जिस प्रकार वैश्विक पटल पर भू-राजनीतिक गतिविधियां तीव्र हो रही हैं, उनसे अनेक नई और जटिल समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए देश की विदेश नीति को उच्च स्तरीय रणनीतिकारों, शोधकर्ताओं तथा वैचारिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, जिनके विचार और विश्लेषण ही राष्ट्रीय हितों को साधने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। विडंबना यह है कि हिमाचल में उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्रों की संख्या सीमित है और वहां से भी वह वैचारिक एवं कूटनीतिक सोच पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो पा रही है, जो वैश्विक स्तर पर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के अनुरूप नीति-निर्माण में सहायक हो सके। जबकि यह निर्विवाद सत्य है कि वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं का प्रभाव केवल देशों तक सीमित न रहकर उनके राज्यों पर भी प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है। हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे पर्वतीय राज्य के संदर्भ में यह धारणा प्रचलित है कि यहां का युवा अपने गांव, गली या कस्बे तक ही सीमित रह जाता है। इसके पीछे प्रमुख कारण यह है कि प्रदेश में राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के उच्च स्तरीय अध्ययन एवं शोध के लिए समर्पित कोई सशक्त वैचारिक या अकादमिक संस्थान उपलब्ध नहीं है।

यद्यपि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में राजनीति विज्ञान के विभाग संचालित हैं, किंतु अब तक यहां से अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोधकर्ता या विश्लेषक विकसित नहीं हो पाए हैं। वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन के नारे के साथ प्रदेश में अनेकों नए शैक्षणिक, आर्थिक और प्रशासनिक आयाम स्थापित कर रही है, जो आत्मनिर्भर हिमाचल की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। ऐसे में यदि सरदार वल्लभभाई पटेल विश्वविद्यालय, मंडी में राजनीति विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों का एक उच्च स्तरीय अध्ययन विभाग स्थापित किया जाए, तो यह न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस अध्ययन केंद्र में सॉफ्ट पावर के अध्ययन पर विशेष बल देकर हिमाचल प्रदेश और भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और वैचारिक क्षमताओं को समझने तथा उन्हें नीति-निर्माण के स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया जा सकता है। आज के युग में जहां हार्ड पावर मुख्यतः आर्थिक और सैन्य संसाधनों पर आधारित होती है, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में सॉफ्ट पावर के माध्यम से भी राष्ट्र और राज्य अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। स्वतंत्र और सशक्त राष्ट्र की संकल्पना हार्ड पावर और सॉफ्ट पावर के संतुलित प्रयोग से ही संभव है, जिसे आज स्मार्ट पावर कहा जाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभुत्व को बनाए रखने तथा जनमानस के सर्वोपरि हितों की रक्षा के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। यदि हम हिमाचल प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में सॉफ्ट पावर के अध्ययन की परिकल्पना करें, तो प्रदेश की समृद्ध सभ्यता, संस्कृति, परंपराएं और विशिष्ट भौगोलिक स्थिति इसकी पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित कर सकती हैं। दुर्भाग्यवश, प्रदेश का कोई भी संस्थान अब तक हिमाचल की सॉफ्ट पावर पर ठोस शोध कर सरकार के समक्ष प्रमाणिक आंकड़े प्रस्तुत करने में सफल नहीं हो पाया है। इस क्षेत्र में अब तक कोई सारगर्भित और व्यवस्थित अध्ययन नहीं हुआ है। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हिमाचल प्रदेश की सॉफ्ट पावर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त, हिमाचल प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं चीन और तिब्बत से किन्नौर तथा लाहौल-स्पीति जिलों के माध्यम से जुड़ी हुई हैं। इन क्षेत्रों से संबंधित भारत के संबंध कई बार संवेदनशील रहे हैं। ऐसे में हिमाचल प्रदेश भले ही अपनी रणनीतिक नीति निर्धारण में केंद्र सरकार पर निर्भर रहता हो, किंतु उसे भी अपनी एक स्पष्ट नीति और वैचारिक दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए, ताकि वह केंद्र सरकार को यथार्थपरक और जमीनी स्तर की जानकारी उपलब्ध करा सके। इन सीमावर्ती क्षेत्रों को जितना निकट से हिमाचल समझ सकता है, उतना कोई अन्य राज्य नहीं, किंतु इसके लिए प्रदेश के पास न तो उच्च स्तरीय शोधकर्ता हैं और न ही कोई वैचारिक संस्थान। इतिहास साक्षी है कि हिमाचल प्रदेश प्राचीन काल से ही मध्य एशिया और तिब्बत के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क का एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर रहा है। दुर्गम हिमालयी भूगोल के बावजूद हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग (शिपकी ला) और लेह-मनाली मार्ग (बारालाचा ला) के माध्यम से कुल्लू, शिमला और किन्नौर का संबंध सिल्क रोड नेटवर्क से जुड़ा रहा। इन मार्गों से न केवल पश्मीना, रेशम और मसालों का व्यापार होता था, बल्कि बौद्ध धर्म और कला का भी व्यापक प्रसार हुआ। आज भी शिपकी ला जैसे दर्रे सीमावर्ती व्यापार और सामरिक दृष्टि से अपनी ऐतिहासिक महत्ता बनाए हुए हैं। भारत मध्य एशिया को अपना विस्तारित पड़ोस मानता है, जो यूरेशिया के लिए एक प्रवेश द्वार है। 21वीं सदी में भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह आवश्यक है कि वह मध्य एशियाई देशों के साथ अपने संबंधों को और सुदृढ़ करे। यद्यपि वर्तमान समय में भारत का इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष भौगोलिक संपर्क नहीं है, किंतु ऐतिहासिक रूप से हिमाचल प्रदेश इस क्षेत्र से जुड़ा रहा है। आज भी हिमाचल प्रदेश के बुद्धिजीवी और शोधकर्ता भारत-मध्य एशिया संबंधों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, लेह-लद्दाख का सामरिक महत्व हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में अत्यंत व्यापक, बहुआयामी और रणनीतिक दृष्टि से निर्णायक है। हिमाचल प्रदेश न केवल लद्दाख क्षेत्र के लिए एक सुदृढ़ और विश्वसनीय लॉजिस्टिक आधार के रूप में कार्य करता है, बल्कि यह चीन और पाकिस्तान से सटे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा, सैन्य आवागमन, आपूर्ति श्रृंखला तथा रणनीतिक संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भक्ति केवल भाव की बात है

ओशो

मनुष्य का अस्तित्व तीन तलों में विभाजित है शरीर, बुद्धि, हृदय या दूसरी तरह से कहें तो कर्म, विचार और भाव। इन तीनों तलों से स्वयं की यात्रा हो सकती है। स्थूलतम यात्रा होगी कर्मवाद की। इसलिए धर्म के जगत में कर्मकांड स्थूलतम प्रक्रिया है। दूसरा द्वार होगा ज्ञान का, विचार का, चिंतन-मनन। दूसरा द्वार पहले से ज्यादा सूक्ष्म है। दूसरे द्वार का नाम है, ज्ञानयोग।

चिंतन-मनन

तीसरा द्वार सूक्ष्मातिसूक्ष्म है भाव का, प्रीति का, प्रार्थना का। उस तीसरे द्वार का नाम भक्तियोग है। कर्म से भी लोग पहुंचते हैं, लेकिन बड़ी लंबी यात्रा है। ज्ञान से भी लोग पहुंचते हैं, पर यात्रा संक्षिप्त नहीं है। बहुत सीढ़ियां पार करनी पड़ती हैं। पहले से कम, लेकिन तीसरे की दृष्टि में बहुत ज्यादा। भक्ति छलांग है। सीढ़ियां भी नहीं हैं, दूरी भी नहीं है। भक्ति एक क्षण में घट सकती है। भक्ति तत्क्षण घट सकती है। भक्ति केवल भाव की बात है। इधर भाव, उधर रूपांतरण।

कर्म में तो कुछ करना होगा, विचार में कुछ सोचना होगा, भक्ति में न सोचना है, न करना है, होना है। इसलिए भक्ति को सर्वश्रेष्ठ कहा है। ज्ञान का मार्ग संकीर्ण है, भक्ति का मार्ग विराट है। अगर भक्तों से तुम्हारा जोड़ मिल जाए, तो फिर तुम किसी और की चिंता मत करना। न मिले दुर्भाग्यवश तो फिर तुम कोई और मार्ग खोजना। प्रार्थना बन सकती है, प्रेम बन सकता है, तो चूकना मत, क्योंकि वह सुगमतम है, स्वाभाविक है। स्नेह तुम्हारे भीतर है, थोड़ा-बहुत प्रेम भी तुम्हारे भीतर है, थोड़ी-बहुत श्रद्धा भी तुम्हारे भीतर है, इन्हीं को थोड़ा निखार लेना है फिर ये प्रीति बन जाएंगे और प्रीति की ही अंतिम पराकाष्ठा भक्ति है।

भक्ति के मार्ग पर तुम्हारे पास संपत्ति पहले से कुछ है, तुम एकदम भिखारी नहीं हो। कुछ है तुम्हारे पास, थोड़ा निखारना है, थोड़ा साफ-सुथरा करना है जरूर, लेकिन कुछ तुम्हारे पास है। ज्ञान के मार्ग पर तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है। वहां तो तुम्हें अ ब स से शुरू करना पड़ेगा। ज्ञान का मार्ग आदमी की खोज है और भक्ति का मार्ग प्रभु का प्रसाद है। वह तुम्हें दिया ही हुआ है। तुम्हारे भीतर एक स्वाभाविक संपदा पड़ी है, जिसको तुम बढ़ाते ही नहीं। तुम्हारी हालत ऐसे है जैसे कोई बीज वृक्षों से भीख मांगता फिरता हो कि एक फूल मुझे दे दो कि एक पत्ता मुझे दे दो, कि थोड़ी देर मैं भी तुम्हारे पत्ते से हरा हो लूं, तुम्हारे फूल के नीचे दब कर मैं भी खुश हो लूं।

आपके पत्र

शादियों में लुप्त होती लोक संस्कृति

शादियों में अकसर जो लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, अब यह शादियों में कम ही सुनने को मिलते हैं। यही नहीं कुछ समय पहले तक तो प्रदेश में शादी तीन-चार दिन तक चलती थी, सभी रिश्तेदार एक साथ मिल बैठते, इससे रिश्तों की डोर मजबूत होती थी। हिमाचल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और अन्य बहुत से राज्यों में भी शादियों में ऐसे लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, जिसमें लोक सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की खुशबू आती थी।

लेकिन अफसोस अब हमारी शादियों पर भी पश्चिमी सभ्यता का रंग चढ़ना शुरू हो गया, इस कारण न तो शादियों में वो पुराने लोकगीत सुनने को मिलते और न ही वो खान-पान। अगर हमें अपनी भावी पीढ़ी को रिश्तों की कद्र करना सिखानी है, तो हमें अपनी लोक संस्कृति की विरासत को संभालकर रखना होगा।

अर्चना सिंह,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

राशन कार्ड अब बनेगा 'स्वास्थ्य का एटीएम' 15 लाख तक का मुफ्त इलाज : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में आयुष्मान मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, फाइलेरिया उन्मूलन और पीडीएस सशक्तिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी जन वितरण प्रणाली पीडीएस विक्रेता और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शामिल हुए। उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि अगले एक महीने तक जिले में 'युद्ध स्तर' पर आयुष्मान कार्ड बनाने और स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान चलाया जाएगा।अब 5 नहीं, 15 लाख तक का मुफ्त इलाज उपायुक्त श्री हेमंत सती ने बैठक को संबोधित करते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब झारखंड में आयुष्मान भारत और अबुआ स्वास्थ्य योजना के समन्वय से लाभार्थियों को 15 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा राशन कार्ड केवल अनाज लेने का जरिया नहीं है। यह एक चलता-फिरता एटीएम कार्ड है। चाहे ग्रीन कार्ड हो लाल पीला या पीवीटीजी, हर राशन कार्ड धारी को 15 लाख तक का सुरक्षा कवच मिलेगा। भगवान न करे किसी के साथ दुर्घटना हो या हार्ट-किडनी की बीमारी हो लेकिन अगर ऐसा हुआ तो यह कार्ड ही परिवार को कर्ज और ब्याज के कुचक्र से बचाएगा।डीलरों को निर्देश ब्रह्मास्त्र' का करें सदुपयोग उपायुक्त ने डीलरों को उनकी ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि राशन डीलरों के पास 'राशन' रूपी ब्रह्मास्त्र है। गांव का हर व्यक्ति उनके पास आता है। डीसी ने सख्त निर्देश दिया कि राशन तभी दें जब आयुष्मान कार्ड हो जब लाभार्थी राशन लेने आए, तो उससे पहले उसका आयुष्मान गोल्डन कार्ड मांगें। अगर नहीं बना है, तो उसे तुरंत प्रज्ञा केंद्र भेजें। जब वह आधार और राशन कार्ड दिखाकर ई-केवाईसी करवा ले, तभी उसे राशन दें।28 तारीख तक का

लक्ष्य 28 फरवरी तक सभी डीलरों को अपने और अपने क्षेत्र के लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनवाने का लक्ष्य दिया गया है।पुरस्कार और कार्रवाई 1 मार्च को समीक्षा की जाएगी। जो बीएसओ और डीलर सबसे ज्यादा कार्ड बनवाएंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा, लेकिन लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई भी तय है।प्रज्ञा केंद्र 10 रुपये से ज्यादा लिया तो होगी कार्रवाई उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि आयुष्मान कार्ड बनवाने का शुल्क मात्र 10 रुपये निर्धारित है। इसके लिए केवल राशन कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की आवश्यकता है।शिकायत नंबर जारी यदि कोई प्रज्ञा केंद्र संचालक 10 रुपये से अधिक की मांग करता है। तो 8809895223 पर तत्काल शिकायत दर्ज करें। प्रशासन तुरंत कार्रवाई करेगा।फाइलेरिया मुक्ति अभियान 10 से 25 फरवरी बैठक में फाइलेरिया उन्मूलन पर भी जोर दिया गया। 10 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर दवा खिलाएंगे। डीसी ने डीलरों को निर्देश दिया कि वे राशन देते समय लाभार्थियों से पूछें- दवा खाई कि नहीं? उन्होंने इसे बचपन के टीकाकरण जैसा जरुरी बताते हुए कहा कि यह दवा भविष्य में हाथी पांव जैसी गंभीर बीमारी से बचाएगी, इसलिए इसे अवश्य लें।फर्जी नाम हटाएँ और ई-केवाईसी 100% करें उपायुक्त ने राशन कार्ड डेटाबेस को स्वच्छ बनाने पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जिले में अभी ई-केवाईसी केवल 76% हुआ है।

मृत और पलायन कर चुके लोगों का नाम काटें: डीसी ने निर्देश दिया कि जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो शादी करके दूसरे जिलों में बस गए हैं। उनका नाम राशन कार्ड से तुरंत हटाया जाए।सख्त चेतावनी यदि जांच के दौरान मृत या पलायन कर चुके लोगों के नाम सूची में पाए गए, तो संबंधित डीलर पर गाज गिरनी तय है। उन्होंने कहा कि जो लाभार्थी ई-केवाईसी नहीं करा रहे हैं उनका राशन रोककर या नाम काटकर उन्हें केंद्र तक लाने के लिए बाध्य करें।गोल्डन कार्ड अनिवार्यः हर राशन कार्ड धारी का 15 लाख का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करें।दवा सेवनः फाइलेरिया की दवा खाने के लिए प्रेरित करें।शुद्धिकरणः मृत और अनुपस्थित लोगों का नाम राशन सूची से हटाएं।ई-केवाईसीः शत-प्रतिशत बायोमेट्रिक सत्यापन सुनिश्चित करें।

जैव विविधता जल संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है : पंचम दुबे

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : झारखंड के एकमात्र रामसर साइट उधवा झील पक्षी आश्रयाणी में सोमवार को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।आर्द्रभूमि संरक्षण को लेकर चला जागरूकता अभियान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण उनके पारिस्थितिक महत्व और जैव विविधता की रक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना रहा। इस दौरान आश्रयाणी क्षेत्र एवं झील के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया।जिसमें प्लास्टिक कचरे एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों व पर्यटकों को आर्द्रभूमियों के महत्व जल स्त्रोतों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि उधवा पक्षी आश्रयाणी अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि है।जिसे रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है। यह क्षेत्र प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों का प्रमुख आश्रय स्थल होने के साथ-साथ जैव विविधता जल संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से आश्रयाणी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने एवं वन विभाग के संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने की अपील की।अधिकारियों ने आर्द्रभूमियों को वन्यजीवों एवं पक्षियों के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए इनके संरक्षण में जनभागीदारी पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमियों के संरक्षण से न केवल वन्यजीव सुरक्षित रहते हैं।बल्कि स्थानीय समुदाय की आजीविका एवं पर्यावरणीय संतुलन भी मजबूत होता है। इस अवसर पर वनरक्षी अखलेश मरांडी, पप्पू यादव एवं सनी रजक सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही भारतीय वन्यजीव संस्थान के गंगा प्रहरी, डॉल्फिन वॉचर एवं अन्य वनकर्मी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

बरहरवा नगर पंचायत वार्ड तीन से निताय सरकार ने भरा पर्चा

समर्थकों के साथ दिखा जनसमर्थन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर पंचायत में चल रहे चुनावी माहौल के बीच वार्ड संख्या 03 से वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी निताय सरकार ने अपने दर्जनों समर्थकों एवं वार्डवासियों के साथ प्रखंड कार्यालय बरहरवा पहुंचकर विधिवत रूप से नामांकन दाखिल किया।नामांकन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बरकत खान एवं जिला महासचिव मिठून कुमार मंडल भी मौके पर उपस्थित रहे।दोनों नेताओं ने भावी वार्ड पार्षद निताय सरकार का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया।इस अवसर पर वार्ड प्रत्याशी निताय सरकार ने वार्ड संख्या 03 की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वे पिछले कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से क्षेत्रवासियों की सेवा करते आ रहे हैं और आगे भी इसी तरह जनता की सेवा करते रहेंगे।उन्होंने वार्डवासियों से अपील की कि एक बार उन्हें मौका देकर विजयी बनाएं,ताकि वे और बेहतर कार्य करते हुए वार्ड के विकास को नई दिशा दे सकें।

प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन समाज को सहयोग करना है : संतोष

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 31दिवसीय रूरल मेसन राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक आजीविका सखी मंडल के डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेन्द्र कुमार ने सभी प्रशिक्षुओ को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए। और २९ प्रशिक्षुओ सफल असेसमेंट भी कराया गया।साथ ही १३ दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गंगा प्रसाद मुखिया संतोष कुमार गोंड, हरिप्रसाद मुखिया देवराज सिंह मखमल पुर साउथ वार्ड सदस्य मद जैनुल हक , शत्रुघ्न यादव, सीसी जोशेफ किस्कू और लालन पासवान ने दीप प्रज्वलित कर किया।मौके पर आसेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार और उपेन्द्र गोप उपस्थित थे इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल २५ दीदियों ने भाग लिए।मुखिया संतोष कुमार गोंड ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज और देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती,निदेशक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जेएसपीएलस और आसेटी आज समाज में बहुत अच्छा काम कर रही है। और अभी प्रशिक्षुओ को उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है।मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल ३५ प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।कार्यक्रम को सफल बनाने सहित दर्जनों महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे।

ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर तीन डॉक्टरों को शोकॉज

मेदिनीनगर : मेदिनीनराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) के इमरजेंसी में रविवार की रात्रि ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर तीन डॉक्टरों को शोकॉज किया गया है । अधीक्षक डॉ अजय कुमार ने बताया कि रात्रि 2 बजे जानकारी मिली कि रात्रि में इमरजेंसी में नियुक्त डॉक्टर कार्यस्थल पर मौजूद नहीं है। उन्होंने खुद सुबह 4 बजे अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उस समय तक सम्बन्धित डॉक्टर मौजूद नहीं थे। डॉ अजय ने बताया कि यह घोर लापारवाही है । डॉक्टरों से अनुपस्थित होने के कारण का जवाब मांगा गया है । जवाब से संतुष्ट न होने पर आगे की कारवाई की जाएगी।

इमरजेंसी में अन्य कार्यों में सेवा दे रहे कर्मचारियों ने बताया कि अक्सर रात्रि में 12 बजे के बाद डॉक्टर इमरजेंसी से गायब रहते है । अस्पताल के ओपीडी में भी सुबह के शिफ्ट में 9 बजे के बजाय कुछ डॉक्टर साढ़े 9 और 10 बजे तक पहुंचते है वहीं शाम के ओपीडी में अधिकतर विभाग में इंटर्न मरीजों का ईलाज करते है। कुछ विभागाध्यक्ष तो सप्ताह में मुश्किल से एक दिन ओपीडी में अपनी सेवा देते है।

आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत बरहवारा रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग बच्चों को बचाया

संवाददाता

साहिबगंज : मनीष कुमार गुप्ता मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा आशिम कुमार कुल्लू, मंडलीय सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ, मालदा के पर्यवेक्षण में मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत दो नाबालिग बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया। सामान्य निरीक्षण के दौरान, बरहवारा रेलवे स्टेशन पर सुबह लगभग 08:20 बजे आरपीएफ कर्मियों ने देखा कि ट्रेन संख्या 15734 डॉन फरक्का एक्सप्रेस के आरक्षित डिब्बे में एक नाबालिग लड़का 03 महीने और एक नाबालिग लड़की 08 वर्ष अकेले थे। बच्चों को तुरंत आरपीएफ के मानक प्रावधानों के अनुसार सुरक्षित संरक्षण में लिया गया।सभी प्रक्रियाओं के पालन के बाद,

बचाए गए बच्चों को आगे की कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन, बरहरवा साहिबगंज के हवाले किया गया। ये तत्पर और जिम्मेदाराना कदम आरपीएफ की सतर्कता और मालदा मंडल में बाल सुरक्षा और यात्री सुरक्षा के प्रति लगातार प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

भगवान परशुराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ कलश यात्रा के साथ आरंभ

मेदिनीनगर : शहर के रेड़मा स्थित मथुराबाड़ी रेड़मा में नवनिर्मित भगवान परशुराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ सोमवार को कलश यात्रा के साथ आरंभ हो गया। धार्मिक आयोजन 2 फरवरी से 8 फरवरी तक चलेगा। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। सुबह करीब 9 बजे मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा की शुरूआत जीयर स्वामी जी महाराज के सान्निध्य में हुई। श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश लेकर और पुरुष भक्त जयघोष करते हुए नगर भ्रमण पर निकले। जय परशुराम के नारों और भक्ति गीतों से माहौल गूंज उठा। कलश यात्रा ओल्ड आईटी रोड, कांदुमोहल्ला, बेलवाटिका व सदिक चौक होते हुए कोयल नदी तट पहुंची।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल भरा गया। वापसी में यात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंची, जहां विधिवत कलश स्थापना की गई। रथ, घोड़े, ढोल-नगाड़े और अखाड़ों के शस्त्र प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे। महायज्ञ के निमित वृंदावन से पधारी कृष्णा प्रिया जी का सोमवार से प्रतिदिन कथा वाचन आरंभ हो गया है। कलशयात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी सक्रिय रहे।

वार्ड नंबर 14 के वार्ड पार्षद प्रत्याशी विकास कुमार साह ने किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंज : नगर निकाय चुनाव को लेकर सर गर्मी तेज हो गई है।सभी पदों के प्रत्याशी नामांकन पर्चा लेकर नामांकन की तैयारी में जुड़ चुके हैं।इसी क्रम में सोमवार को वार्ड नंबर 14 के वार्ड पार्षद प्रत्याशी विकास कुमार साह वार्ड पार्षद के लिए अनुमंडल कार्यालय में निवार्ची पदाधिकारी नागेश्वर साह के समक्ष नामांकन किया।नामांकन के बाद विकास साह ने कहा कि वार्ड कि जनता का आशीर्वाद मिला तो अपने वार्ड में जो भी कमी है उस कमी को दूर करने का प्रयास करेंगे।श्री साह ने वार्ड कि जनता से अपील करते हुए कहा कि उन्हें एक बार वार्ड मे सेवा करने का मौका दे।मौके पर महेंद्र साह,अजय साह,अरुण मोदी,सन्नी मंडल,चंदन राम,पप्पू राम,विपिन साह,द्वारिका प्रसाद,रवि साह,सुनील कुमार यादव, राकेश साह,सूरज कुमार तांती,शिव कुमार शर्मा,अर्जुन पासवान,संटू सिंह, गोविंद यादव,टिंकू कुमार तांती,सोनू पासवान,नीतू देवी,गुंजा देवी,छोटी देवी,प्रभा दास,अनीता देवी,नीलम कुमारी,सुमन देवी,कंचन देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

मदार्नी-3 ने तीन दिन में कमाए 17.5 करोड़

बॉलीवुड की सुपर स्टार अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म मदार्नी 3 ने भारतीय बाजार में अपने पहले वीकेंड में 17.5 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी मदार्नी की तीसरी किस्त में रानी मुखर्जी ने एक बार फिर दमदार, निडर और जांबाज पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी की हैं, जो एक क्रूर सामाजिक अपराध के खिलाफ मोर्चा संभालती नजर आ रही हैं।

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित मदार्नी 3 तीस जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म मदार्नी 3 ने पहले दिन भारतीय बाजार में चार करोड़ की कमाई की थी। दूसरे दिन मदार्नी 3 ने 6.25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 7.25 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। इस तरह मदार्नी 3 ने भारतीय बाजार में तीन दिनों में 17.5 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है।

20 फरवरी को आएगा दो दीवाने शहर में का ट्रेलर

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की फिल्म दो दीवाने शहर में का ट्रेलर चार फरवरी को रिलीज होगा। फिल्म दो दीवाने शहर में के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक प्यारा-सा वीडियो साझा किया है, जिसमें फिल्म के किरदार शशांक और रोशनी नजर आ रहे हैं।

वीडियो के साथ शेयर किए गए कैप्शन में लिखा गया है, क्या आपने यह खबर सुनी? दो दीवाने शहर में का ट्रेलर आ रहा है सिर्फ दो दिनों में! इस वैलेंटाइन्स, इश्क से इश्क हो जाएगा। दो दीवाने शहर में 20 फरवरी, सिर्फ सिनेमाघरों में। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत ह्यदो दीवाने शहर में में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रवि उदयावर ने किया है। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भारत कुमार रंगा हैं, जो रवि उदयावर फिल्म्स के सहयोग से इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म दो दीवाने शहर में की सिनेमाघरों में रिलीज 20 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

15 मई को रिलीज होगी हॉरर कॉमेडी भूत बंगला,डेट फाइनल

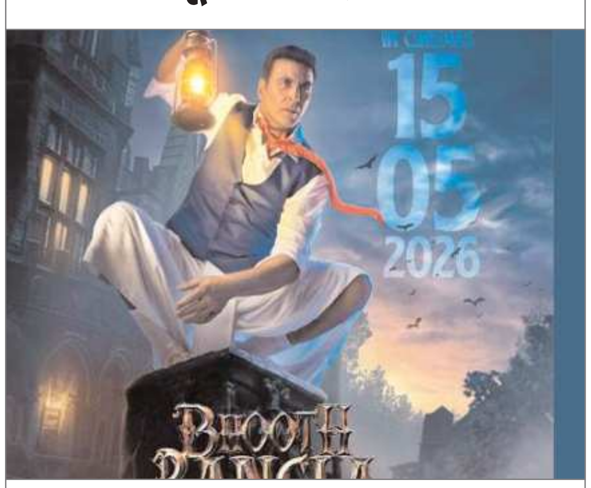

भूत बंगला इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फि ल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और सुपरस्टार अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दशार्ती है, एक ऐसा री-यूनियन जो जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। पहले पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही उत्साह सातवें आसमान पर था, और फिर आए दिलचस्प मोशन पोस्टर ने फि ल्म को लेकर पहले से बने जबरदस्त बज को और भी बढ़ा दिया। अब लंबे इंतजार के बाद फि ल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है, और यह मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

आज की सबसे बड़ी घोषणा के साथ उत्साह एक नए लेवल पर पहुँच गया है, भूत बंगला आधिकारिक तौर पर 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। रिलीज डेट के ऐलान ने दर्शकों की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है। हॉरर और कॉमेडी का परफेक्ट मेल, वो भी इस जॉनर के उस्ताद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी के साथ, यह फि ल्म उस सिनेमाई जादू को दोबारा रचने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसकी कमी दर्शक लंबे समय से महसूस कर रहे थे।

रिलीज डेट की घोषणा करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया और कैप्शन लिखा—

बंगले से एक खबर आई है!

15 मई 2026 को खुलेगा दरवाजा

सिनेमाघरों में मिलते हैं : भूत बंगला को एक कंप्लीट एंटरटेनर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी दमदार स्टारकास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता, असरानी और वामिका गब्बी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फि ल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग राजस्थान, जयपुर और हैदराबाद में भी की गई है, जो कहानी को एक शानदार विजुअल अंदाज देती है। कई सालों बाद प्रियदर्शन की फि ल्म में इस पावरहाउस लाइनअप को एक साथ देखना अपने आप में जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। इस लेजेंडरी कॉमेडी टीम की दोबारा वापसी के साथ दर्शक बड़े पर्दे पर एक और यादगार सिनेमाई अनुभव की पूरी उम्मीद कर सकते हैं।

प्रियदर्शन द्वारा डायरेक्टेड भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फि ल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फि ल्म को फारा शेख और वेदांत बाली द्वारा को- प्रोड्यूस किया गया है। इसकी कहानी आकाश ए. कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, रोहन शंकर ने इसके डायलॉग्स लिखे हैं।

'धुरंधर 2' से रणवीर सिंह का फर्स्ट लुक आउट, रिलीज डेट का भी हुआ खुलासा

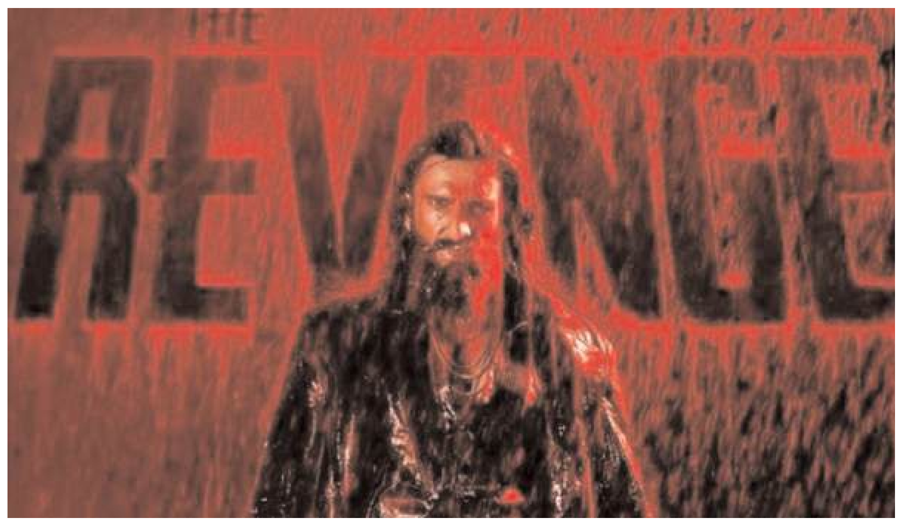

रणवीर सिंह की स्पाई-थ्रिलर धुरंधर की दहाड़ के बाद अब दर्शकों को बस इसके दूसरे पार्ट यानि धुरंधर 2 का इंतजार है। इसी बीच अब मेकर्स ने फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए धुरंधरः द रिवेंज से रणवीर सिंह का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। साथ ही इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान किया है। एक्टर ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते टीजर की पूरी डिटेल्स साझा की है।

रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, अब बिगड़ने का वक्त आ गया है। धुरंधरः द रिवेंज टीजर आज दोपहर 12:12 बजे रिलीज हो रहा है।

इसके साथ ही एक्टर ने फिल्म की रिलीट डेट का भी खुलासा किया और लिखा- फिल्म 19 मार्च 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हो रही है।

धुरंधर 2 के नए पोस्टर में रणवीर सिंह ब्लैक लेदर जैकेट पहने, बारिश में भीगे हुए बेहद इंटेंस अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर की लाल थीम फिल्म के गंभीर और खतरनाक माहौल की झलक देती है, जिसने फैंस की उत्सुकता को चरम पर पहुंचा दिया है।

जैसे ही पोस्टर सामने आया, सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कुछ फैंस ने लिखा, डर का माहौल बन गया है, तो किसी ने कहा, अब इंतजार नहीं हो रहा। कई यूजर्स ने रणवीर सिंह के किरदार जसकीरत सिंह रंगी को लेकर भी एक्साइटमेंट जताई और लिखा कि अब उसकी बारी है राज करने की।

फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, दानिश पंडोर और गौरव गेरा जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

व्हाइट लुक में बनठन कर घर से निकलीं मॉम-टू-बी सोनम कपूर शर्ट के बटन खोल कॉन्फिडेंस के साथ फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

,8

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही पति आनंद आहुजा के दूसरे बच्चे को जन्म देंगी। इससे पहले वह पब्लिक प्लेस पर जमकर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। हाल ही में सोनम को मुंबई में एक आउटिंग के बाद खुल्लम खुल्ला बेबी बंप फ्लॉन्ट करते देखा गया। उनका ये पल वीडियो में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, हाल ही में सोनम कपूर को मुंबई में आउटिंग के दौरान स्पॉट किया गया, जहां पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद कर लिया। इस दौरान मॉम-टू-बी एक्ट्रेस अपने अंदाज और कॉन्फिडेंस से एक बार सबका ध्यान अपनी ओर खींचती नजर आईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनम कपूर व्हाइट आउटफिट में बेहद कूल और ग्लैमरस लग रही हैं। उन्होंने व्हाइट स्कर्ट के साथ मैचिंग जैकेट पहनी है, जिसके आधे बटन खोलकर वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग हील पहनी हैं। बालों का मैसी बन, आंखों पर चश्मा और मिनिमल मेकअप उनके लुक को कंप्लीट करता है। सोनम के चेहरे पर दूसरी बार मां बनने का एक अलग ही ग्लो देखने को मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनम कपूर करीब 6 महीने की प्रेग्नेंट हैं और कहा जा रहा है कि वह मार्च 2026 के आसपास अपने दूसरे बच्चे को जन्म देंगी। इससे पहले सोनम ने 20 अगस्त, 2022 में अपने पहले बेबी यानी बेटे का स्वागत किया था, जिसका नाम उन्होंने वायु रखा है। एक्ट्रेस ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहुजा संग शादी रचाई थी।

94 की उम्र में डायरेक्शन में वापसी करेंगे निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास, 10 साल के ब्रेक के बाद किया नए प्रोजेक्ट का ऐलान

शौक भी बड़ी चीज है। जब इसका जुनून सवार होता है तो इंसान अपनी उम्र या कंफर्ट नहीं देखता वो बस इसे पूरा करने पर जुट जाता है। ऐसा ही कुछ दिग्गज निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव के साथ ही है, जो करीब दस साल के ब्रेक के बाद 94 की उम्र में डायरेक्शन में वापसी करने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया है।

सिंगीतम श्रीनिवास 94 की उम्र में सिनेमा में बतौर डायरेक्टर कमबैक के लिए तैयार हैं। वैजयंती मूवीज के एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी गई कि सिंगीतम श्रीनिवास राव 10 साल बाद बतौर निर्देशक वापसी कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सिंगीतम टीम को निर्देश दे रहे हैं। वह पूरे उत्साह के साथ सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, 'मैं आपको बता देना चाहता हूं कि मैं रिटायर नहीं हूं'।

वैजयंती मूवीज के मुताबिक, एसएसआर61 को डायरेक्टर की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म का म्यूजिक देवी श्री प्रसाद कंपोज करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में नए कलाकार भी कास्ट का हिस्सा हो सकते हैं।

रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो', गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी ने की बैन की मांग

साजिद नाडियाडवाला और विशाल भारद्वाज की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओ रोमियो रिलीज से पहले ही विवादों में घिर गई है। फिल्म के सिनेमाघरों में आने से कुछ दिन पहले अब यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। कुख्यात गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने सोमवार को मुंबई की एक सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है।

पिता की अनधिकृत बायोपिक का आरोपः सनोबर शेख का दावा है कि फिल्म उनके दिवंगत पिता हुसैन उस्तरा के जीवन पर आधारित एक अनधिकृत बायोग्राफी है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म में उनके पिता को गलत और आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है, जिससे परिवार की छवि को नुकसान पहुंचता है। इसी आधार पर उन्होंने फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

मेकर्स और लेखक के खिलाफ मुकदमाः हुसैन शेख, जिन्हें अंडरवर्ल्ड में हुसैन उस्तरा के नाम से जाना जाता था, उनकी बेटी सनोबर ने फिल्म के निमार्ता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया है। इस मामले की सुनवाई 6 फरवरी को मुंबई की सिविल कोर्ट में होनी है।

किताब पर आधारित है फिल्मः फिल्म ओ रोमियो को हुसैन जैदी की चर्चित किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई से प्रेरित बताया जा रहा है। फिल्म ओ रोमियो में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शाहिद कपूर फिल्म में माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का किरदार निभा रहे हैं, जबकि तृप्ति डिमरी सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में दिखाई देंगी।

हिमाचल की बेटियों ने जीता कांसा, हैदराबाद में 72वीं राष्ट्रीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

हमीरपुरः 72वीं नेशनल महिला कबड्डी चैंपियनशिप में हिमाचल की बेटियों को ब्रांज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा है। सेमीफाइनल मुकाबले में हिमाचल की टीम हरियाणा की टीम से 35-29 से हारकर बाहर हो गई। हैदराबाद में करवाई गई नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में हिमाचल के खिलाड़ियों का यह सबसे खराब प्रदर्शन रहा है, क्योंकि हिमाचल की टीम पिछले पांच साल से सीनियर और फैडरेशन कप में गोल्ड मेडल जीतकर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर रही थीं। यह पहली दफा है कि हिमाचल की कबड्डी टीम सेमीफाइनल में ही मैच हारकर बाहर हो गई।

इसका मुख्य कारण खिलाड़ियों का नेशनल कोचिंग कैंप न लगाना भी मुख्य वजह बताई जा रही है, क्योंकि खिलाड़ी छात्र स्टेट टूर्नामेंट के बाद नेशनल के लिए रवाना हो गए। खिलाड़ी छात्राओं का 15 से 20 दिन का नेशनल कोचिंग कैंप लगाना जरूरी था।

आज फाइनल को भिड़ेंगे दिल्ली-गुजरात

वडोदरा में डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर मुकाबले में शाम 7:30 बजे से टक्कर

एजेंसी/ वडोदराः लगातार तीन बार उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम महिला प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में मंगलवार को वडोदरा में जब पहली बार प्लेऑफ में पहुंची गुजरात जॉयंट्स के खिलाफ उतरेगी, तो उसकी कोशिश चौथी बार फाइनल में पहुंचने की होगी। डब्ल्यूपीएल के छोटे से इतिहास में सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल दिल्ली कैपिटल्स ने एक बार फिर लीग चरण को सफलतापूर्वक पार करते हुए शीर्ष तीन में जगह बनाई। इसके साथ ही वह अब तक के सभी चार सत्रों में प्लेऑफ के लिए क्वॉलिफाई करने वाली एकमात्र टीम बन गई है। मौजूदा सत्र में हालांकि दिल्ली का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें दबदबे वाले प्रदर्शन के साथ गिरावट भी देखने को मिली। टीम ने अब तक चार मैच जीते हैं और उसे इतने में हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली की गेंदबाजी की अगवाई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने की है। मौजूदा सत्र में 14 विकेट लेने वाली इस गेंदबाज ने आखिरी ओवरों में काफी प्रभावित किया है।

उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी (14 विकेट) का अच्छा साथ मिला है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी हरफनमौला मारिजेन कैप (10 विकेट) ने गेंदबाजी में नियंत्रण और भरोसेमंद प्रदर्शन जारी रखा है। बल्लेबाजी में कैप की हमवतन लौरा वोल्वार्ट (241 रन) और लिजेल ली (240 रन) ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (208 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी हालांकि चिंता का विषय बनी हुई है। गुजरात जॉयंट्स की टीम दूसरी ओर एलिमिनेटर में जबरदस्त आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी। उन्होंने लगातार तीन मैचों की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत की हैट्रिक लगाई। टीम ने इस दौरान गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ 11 रन की अहम जीत भी हासिल की। यह दो बार की चैंपियन टीम के खिलाफ उनकी पहली जीत थी। टीम ने इस जीत से ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की। लीग चरण के दोनों मुकाबलों में दिल्ली कैपिटल्स को हराने से भी गुजरात को आत्मविश्वास मिलेगा।

दिल्ली कैपिटल्स– जेमिमा रोड्रिग्स (कप्तान) तानिया भाटिया, चिनेल हेनरी, लिजेल ली, निकी प्रसाद, शेफाली वर्मा, लौरा वोल्वाड्र्ट लुसी हैमिल्टन, मारिजनने कप्प, अलाना किंग स्नेह राणा, मिन्नू मणि, नंदिनी शर्मा, श्री चरणी।

गुजरात जायंट्स– एशले गार्डनर (कप्तान), कनिका आहूजा, सोफी डिवाइन, भारती फुलमाली, किम गार्थ, काशवी गौतम, राजेश्वरी गायकवाड़, तनुजा कंवर, बेथ मूनी , रेणुका सिंह, अनुष्का शर्मा, जॉर्जिया वेयरहैम।

ट्रंप ने घटाया टैरिफ तो शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स 2500 अंक चढ़ा,निफ्टी में भी 700 अंक की तेजी

मुंबई : ट्रम्प के भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकार 18% करने के ऐलान के बाद आज भारतीय शेयर बाजार में तेजी है। सेंसेक्स 2500 (2.9%) अंकों की तेजी के साथ 84,000 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 700 (2.9%) अंक की तेजी है। ये 25,800 पर कारोबार कर रहा है।

रियल्टी, ऑटो ओर आईटी शेयर में तेजी है। सेंसेक्स ने बजट के दिन हुई 1,546 अंकों की गिरावट की रिकवरी कर ली है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के ऐलान चलते बाजार में तेजी का कारण है। वर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने 2 फरवरी को कहा कि वे भारत के साथ डील पर सहमत हैं, जिसमें टैरिफ 50% से घटकर 18% हो जाएगा। भारत रूस से ऑयल खरीद बंद करेगा और वर से ज्यादा एनर्जी, टेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स खरीदेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी से कॉल के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया। ट्रम्प ने अप्रैल 25 में भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ और फिर रूस से तेल खरीदने के कारण अगस्त में 25% पेनल्टी का ऐलान किया था। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक भारत पर सिर्फ टैरिफ 18% ही लगेगा। अमेरिका रूसी तेल खरीदने के कारण लगा 25% टैरिफ हटा देगा।

गिरावट पर लगा ब्रेक, सोना-चांदी में तूफानी तेजी महंगी हुई चांदी, गोल्ड ने भी लगाई छलांग

नई दिल्ली : बीते कुछ दिनों से सरार्फा बाजार में जारी मायूसी अब खत्म होती दिख रही है। सोना और चांदी की कीमतों में चल रहे क्रैश के सिलसिले पर मंगलवार को अचानक ब्रेक लग गया। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर वायदा कारोबार की शुरूआत होते ही दोनों कीमती धातुओं में तूफानी तेजी देखने को मिली। बाजार खुलते ही चांदी के भाव में जहां 21,000 रुपये से ज्यादा का उछाल आया, वहीं सोना भी पीछे नहीं रहा और खुलने के साथ ही 5,000 रुपये से ज्यादा महंगा हो गया।

बाजार खुलते ही चांदी में जबरदस्त उछाल: मंगलवार को एमसीएक्स पर कारोबार शुरू होते ही 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी के वायदा भाव में तगड़ी खरीदारी देखी गई। एक ही झटके में चांदी अपने पिछले बंद भाव से 21,000 रुपये से ज्यादा चढ़ गई। आंकड़ों पर नजर डालें तो सोमवार को एमसीएक्स पर चांदी का भाव 2,36,261 रुपये पर बंद हुआ था, लेकिन मंगलवार सुबह यह सीधे 2,57,480 रुपये प्रति किलो के स्तर पर ओपन हुई। हालांकि, इस भारी तेजी के बावजूद चांदी अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तर से सस्ती है। बता दें कि 29 जनवरी को चांदी ने 4,30,048 रुपये प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था, जिससे वर्तमान भाव अभी भी करीब 1.62 लाख रुपये नीचे है।

सोने की चमक भी लौटी, भाव 1.49 लाख के पार: चांदी की तरह सोने की कीमतों में भी जोरदार वापसी हुई है। एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की एक्सपायरी वाले सोने का भाव सोमवार को 1,43,991 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। मंगलवार को कारोबारी सत्र की शुरूआत में ही यह उछलकर 1,49,485 रुपये पर पहुंच गया। इस हिसाब से 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में 5,494 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, चांदी की तरह सोना भी अपने लाइफ टाइम हाई से अभी दूर है। 29 जनवरी को सोने ने 1,93,096 रुपये का रिकॉर्ड स्तर छुआ था। आज की तेजी के बाद भी सोना उस स्तर से करीब 43,611 रुपये सस्ता मिल रहा है।

खाई में गिरी एचआरटीसी की बस, 3 की मौके पर मौत, 35 लोग थे सवार

शिलाई: शिलाई के सीमावर्ती क्षेत्र एक दर्दनाक सडक हादसा पेश आया है। यहां हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दो दर्जन से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हिमाचल पथ परिवहन निगम नेरवा डिपो की एक बस शिलाई के सीमावर्ती क्षेत्र क्वाणु के शुदोई खड्ड में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय बस में कुल 35 यात्री सवार थे। यह बस चौपाल से वाया क्वाणु, विकासनगर होते हुए पांवटा साहिब जा रही थी।

बताया जा रहा है कि संकरे मार्ग पर एक वाहन को पास देते समय सडक किनारे बनी दीवार अचानक ढह गई, जिससे बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही क्वाणु और आसपास के तीन गांवों के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को खाई से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक एक पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत की पुष्टि हुई है। कई लोग घायल हैं, राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। हादसे में घायल यात्रियों को नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में जुटी हुई हैं।

और मजबूत बने औद्योगिक विकास निगम, उद्योग मंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

शिमला: हर अधिकारी व कर्मचारी को अपने कार्य के प्रति समर्पण, दक्षता एवं गंभीरता की ओर अधिक ध्यान देना चाहिए। राज्य औद्योगिक विकास निगम को अधिक सुदृढ़ बनाने एवं दीर्घकालीन आत्मनिर्भरता बनाने हेतु सक्रिय योगदान दें। ये निर्देश उद्योग मंत्री ने हर्षवर्धन सिंह चौहान ने राज्य औद्योगिक विकास निगम के प्रधान कार्यालय में एचपीएसआईडीसी से संबंधित बैठक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए। बैठक के दौरान उद्योग मंत्री ने निगम की कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों की समीक्षा की।

इसमें राज्य के बाहर स्थित निगम की संपत्तियों से संबंधित विषय भी शामिल थे। समीक्षा का मुख्य फोकस के परिचालन प्रदर्शन एवं वर्तमान में संचालित पहलुओं पर रहा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष एसआईडीसी अनुराग शर्मा, प्रबंध निदेशक अनुराग चंद्र शर्मा, सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के उपरांत उद्योग मंत्री का औपचारिक स्वागत उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पारंपरिक शॉल एवं टोपी भेंट कर किया गया तथा सम्मान स्वरूप उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : हमले से पहले बिश्नोई गैंग ने की थी रेकी, स्कूटर से की गई निगरानी

मुंबई : निर्देशक और प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने पाया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आरोपियों ने हमले से पहले रोहित शेट्टी के घर और आसपास के इलाके की कई दिनों तक रेकी की थी। जांच में सामने आया कि रेकी उसी स्कूटर से की गई थी, जिसका इस्तेमाल फायरिंग के दौरान भागने के लिए किया गया। अज्ञात शूटर ने पांच राउंड फायरिंग की और उसी स्कूटर पर सवार होकर मौके से फरार हो गया। वह विले पार्ले रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां स्कूटर छोड़कर ट्रेन से मुंबई से बाहर निकल गया। पुलिस के अनुसार, अपराध में इस्तेमाल स्कूटर पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदा गया था। स्कूटर मूल रूप से आनंद मारोटे के नाम पर रजिस्टर्ड था, जिसने इसे 6 अगस्त 2009 को खरीदा था। घटना से करीब 12 दिन पहले मारोटे ने स्कूटर गिरफ्तार आरोपी आदित्य गायकवाड़ को 30 हजार रुपए में बेच दिया। पैसे कथित मास्टरमाइंड शुभम लोनकर ने दिए थे। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी समर्थ पोमाजी के निर्देश पर सिद्धार्थ येनपुरे और स्वप्नील सकट ने स्कूटर को सड़क मार्ग से पुणे से लोनावाला लाने की कोशिश की, ताकि इसे शूटर को सौंपा जा सके। हालांकि शूटर लोनावाला नहीं पहुंच सका, इसलिए आरोपियों ने घटना से लगभग 10 दिन पहले स्कूटर मुंबई पहुंचाकर अज्ञात शूटर को सौंप दिया। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त पैसे दिए गए। पुलिस ने बताया कि मुंबई में स्कूटर पहुंचाने वाले आरोपियों को पता था कि यह आपराधिक साजिश का हिस्सा है, लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि टारगेट रोहित शेट्टी का घर है। जांच में यह भी सामने आया कि समर्थ पोमाजी ने मुख्य शूटर की सक्रिय मदद की। शुभम लोनकर के निर्देश पर समर्थ ने गायकवाड़ की मदद से स्कूटर का इंतजाम किया और अपराध में अहम भूमिका निभाई। समर्थ लगातार शुभम लोनकर के संपर्क में था और सिग्नल ऐप के जरिए उससे नियमित बात करता था। शुभम के निर्देशों पर काम करते हुए समर्थ ने कथित तौर पर फायरिंग की पूरी योजना बनाई। पुलिस ने चार आरोपियों आदित्य गायकवाड़, सिद्धार्थ येनपुरे, समर्थ पोमाजी और स्वप्नील सकट को गिरफ्तार किया है। जांच जारी है और मास्टरमाइंड शुभम लोनकर की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बांग्लादेश कोर्ट का बड़ा फैसला

शेख हसीना को 10 साल की जेल भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक को भी सजा

संवाददाता

एजेंसी/ ढाका: बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सरकारी आवास परियोजना में भूमि आबंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़े दो अलग-अलग भ्रष्टाचार मामलों में 10 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश रबीउल आलम ने फैसला सुनाते हुए हसीना को कुल 10 साल की कैद की सजा दी। प्रत्येक मामले में 5-5 साल की सजा सुनाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने 78 वर्षीय शेख हसीना, उनके भतीजे रादवान मुजीब सिद्दीक (रादवान मुजीब सिद्दीक बॉबी), भतीजियों ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक (ब्रिटिश सांसद) और अजमीना सिद्दीक तथा अन्य को पुरबाचोल (पुर्बाचल) में राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट के तहत भूखंडों के आबंटन में कथित अनियमितताओं के मामलों में सजा सुनाई है।

ट्यूलिप सिद्दीक को कुल 4 साल की कैद की सजा सुनाई गई (प्रत्येक मामले में 2 साल), जबकि रादवान मुजीब सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक को दोनों मामलों में 7-7 साल की कैद की सजा दी गई। वहीं कोर्ट में अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने वाले एकमात्र आरोपी मोहम्मद खुर्शीद आलम को प्रत्येक मामले में एक-एक साल की कैद की सजा सुनाई गई है। यानी कुल मिलाकर 2 साल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने सभी दोषियों पर एक लाख टका (बांग्लादेशी मुद्रा) का जुमार्ना भी लगाया और जुमार्ना न चुकाने पर अतिरिक्त 6 महीने की जेल की सजा काटने का आदेश दिया।

ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने चेताया, हमले का देंगे मुंहतोड़ जवाब

छोटी सी गलती से जल उठेगा पूरा अमेरिका

संवाददाता

एजेंसी/ तेहरान: ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कोई गलती हुई, तो कोई अमरीकी सुरक्षित नहीं रहेगा और क्षेत्र की आग अमरीका तथा उसके सहयोगियों को जला डालेगी। दूसरी तरफ तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक रास्ते भी तलाशे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच आने वाले दिनों में बड़ी वार्ता होने की संभावना जताई गई है। ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ अब्द अल-रहीम मौसवी ने सोमवार को कहा कि दुश्मन की छोटी-सी गलती हमें कार्रवाई करने की खुली छूट दे देगी। जब दुनिया एक शक्तिशाली ईरान का एक अलग रूप देखेगी और तब कोई अमेरिकी सुरक्षित नहीं रहेगा।

साथ ही इस क्षेत्र में लगी आग अमेरिका और उसके सहयोगियों को जला देगी। मौसवी ने कहा कि अगर युद्ध छिड़ गया, तो क्षेत्रीय प्रतिरोध के पुरुष और महिलाएं इस क्षेत्र से बाहरी लोगों की मौजूदगी को पूरी तरह मिटा देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरानी सशस्त्र बल किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ का यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब अमरीकी नौसेना ईरान के पास सैन्य तैनाती बढ़ा रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि ईरान वाशिंगटन के साथ गंभीर बातचीत कर रहा है। हालांकि, ट्रंप ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया है।

सिंधु जल संधि पर भारत का कड़ा रुख, हेग कोर्ट का आदेश मानने से साफ इनकार

नई दिल्ली : सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की चालबाजी पर भारत ने एक बार फिर करारा प्रहार किया है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) के उस आदेश को मानने से इनकार कर दिया है, जिसमें भारतीय जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकॉर्ड मांगे गए थे। भारत ने दो टूक कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय अवैध रूप से गठित किया गया है, इसलिए भारत इसके अधिकार क्षेत्र और आदेशों को मान्यता नहीं देता। भारत के इस सख्त रवैये से पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घेराबंदी करने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है।

9 फरवरी तक मांगे गए थे बगलिहार और किशनगंगा के दस्तावेजः हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय ने भारत को निर्देश दिया था कि वह 9 फरवरी 2026 तक अपने जलविद्युत संयंत्रों, विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं की पोंडेज लॉगबुक (परिचालन रिकॉर्ड) प्रस्तुत करे। अदालत ने कहा था कि इन दस्तावेजों का उपयोग गुण-दोष के आधार पर दूसरे चरण की सुनवाई में किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि दस्तावेज नहीं सौंपे जाते हैं, तो भारत को इसका औपचारिक स्पष्टीकरण देना होगा। कोर्ट ने 2 और 3 फरवरी को हेग के पीस पैलेस में सुनवाई निर्धारित की थी और रिकॉर्ड में दर्ज किया कि भारत ने न तो कोई प्रति-स्मृति पत्र दाखिल किया और न ही कार्यवाही में भाग लेने का कोई संकेत दिया।

भारत का जवाब- अवैध कोर्ट के संचार का उत्तर देना जरूरी नहीं : सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह तटस्थ विशेषज्ञ की प्रक्रिया के अलावा किसी भी समानांतर कार्यवाही को वैध नहीं मानता। भारत का कहना है कि यह तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है, इसलिए हम इसके किसी भी संचार या नोटिस का जवाब नहीं देते। भारत ने साफ कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों का बहिष्कार जारी रखेगा।

पहलगाम हमले के बाद से स्थगित है संधि: विवाद की असल वजह पिछले साल अप्रैल में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला है, जिसके बाद भारत ने सख्त कदम उठाते हुए औपचारिक रूप से सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत का तर्क है कि जब संधि ही स्थगित है, तो वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है। वहीं, पाकिस्तान इस मुद्दे को लेकर पिछले 9 महीनों से बौखलाया हुआ है। वह लगातार विभिन्न देशों की राजधानियों में प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है, संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिख रहा है और दर्जनों कानूनी दांव-पेच आजमा रहा है, लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए अपने फैसले पर अडिग है।

बर्थडे पार्टी के बहाने बुलाकर हत्या,गेहूं के खेत से मिला 22 वर्षीय युवक का शव

पश्चिम चंपारण : बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में रात करीब नौ बजे छौराहा पोखरा के समीप गेहूं के खेत से एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कठइया बिशनपुरवा वार्ड संख्या- 7 निवासी राकेश सिंह के पुत्र रितिक राज उर्फ सचिन राज (22) के रूप में हुई है।

गोली मारकर हत्या किए जाने का आरोप: मृतक की मां मीरा देवी ने आरोप लगाया है कि विवेक पटेल और अमित सिंह बर्थडे पार्टी के बहाने रितिक को घर से बुलाकर ले गए और साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। परिजनों ने गोली मारकर हत्या किये जाने का दावा किया है। वहीं रितिक के साथ बाइक पर मौजूद दोस्त विवेक पटेल ने पुलिस को बताया कि नीलगाय से टकराने के कारण सड़क हादसे में रितिक की मौत हुई, जबकि वह स्वयं गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर सोमवार को परिजनों को सौंप दिया। सदर एसडीपीओ- वन विवेक दीप ने बताया कि दोस्त का बयान दर्ज किया गया है और प्रथम दृष्ट्या मामला सड़क हादसे का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमाटर्म रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

डीके क्लासिक रामगढ़ में जीता गोल्ड मेडल

संवाददाता : झारखंड के जमशेदपुर बारीडीह निवासी सुमित प्रमाणिक ने रामगढ़ में आयोजित डीके क्लासिक बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। सुमित प्रमाणिक ने इस प्रतियोगिता की सफलता में उनके जिम ट्रेनर राजकुमार महतो जो की राज फिटनेस जिम के ओनर है साथ ही अपने परिवार के मदद से हासिल किया, इस उपलब्धि से जमशेदपुर सहित पूरे झारखंड में बॉडीबिल्डिंग प्रेमियों और युवाओं में उत्साह का माहौल स्थान लोगों ने सुमित प्रमाणिक को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अध्यक्ष पद के लिए उदय माझी ने किया नामांकन

संवाददाता : 23 फरवरी को होने वाले नगर परिषद् चुनाव के लिए सिंहभूम के सांसद श्रीमती जोबा माझी मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से जगत माझी के अनुज युवा एवं तेजतर्रार एवं जनाधार वाले युवा समाजसेवी उदय माझी ने आज अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन किया। सर्वप्रथम उन्होनें अपने आवास से अपने पिता स्वर्गीय देवेंद्र माझी के समाधि स्थल पर नमन करने और श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात आवास से निकले और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माला अर्पण किया तत्पश्चात अपने प्रशंसक, समर्थक एवं शुभ चिंतकों के साथ अनुमंडल कार्यालय पहुंचे जहां उन्होनें अपना नामांकन दाखिल किया। तत्पश्चात उन्होनें कहा कि वे उन सभी लोगों के हृदय से आभारी जिन्होंने नामांकन के दिन उनका मनोबल बढ़ाया। चक्रधरपुर नगर वासियों के वे हृदय से आभारी हैं जिनके उत्साह बढ़ाने के फलस्वरूप वे जनता के आशानुरुप चुनावी मैदान में उतरे हैं। आज उदय माझी के नामांकन के समय उमड़ी भीड़ ने निश्चित तौर पर उदय माझी का उत्साह और विश्वास बढ़ाया है।

लातेहार में आतंक मचाने जा रहे दो अपराधी को पुलिस ने दबोचा

लातेहारः पुलिस ने गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. दोनों तुबेद कोलयरी में आतंक मचाने जा रहे थे. गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के दीपक उरांव और अनिल उरांव के रूप में हुई है. दोनों अपराधी राहुल सिंह गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं. पुलिस ने उनके पास से तीन पिस्टल 10 गोलियां समेत कई अन्य सामान बरामद किए हैं.

दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है. जिसको लेकर सभी सदर थाना क्षेत्र के कैमा गांव के निकट जमा हो रहे हैं. सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सब इंस्पेक्टर विक्रांत उपाध्याय, राजा दिलावर और राहुल सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई.

पुलिस टीम ने चिन्हित स्थान पर छापेमारी अभियान चलाया. हालांकि पुलिस को देखकर दोनों अपराधी ने भागने का प्रयास किया जिसका पीछा करते हुए पुलिस ने दोनों को धर दबोचा. गिरफ्तारी के बाद तलाशी के दौरान अपराधियों के पास से बंदूक और गोलियां बरामद हुई. पुलिस द्वारा पूछताछ में दोनों ने बताया कि कोलियरी के पास आपराधिक घटना को अंजाम देने जा रहा था.

इस संबंध में डीएसपी अरविंद कुमार और पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी कुख्यात अपराधी संगठन राहुल सिंह गिरोह के सदस्य हैं. इन्हीं अपराधियों के द्वारा पिछले महीने तुबेद कोलियरी में फायरिंग की गई थी. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का अपराधिक इतिहास भी रहा है.

दीपक उरांव हाल के दिनों में ही जमानत पर जेल से बाहर आया है. इसके खिलाफ कुल सात मामले पहले से दर्ज थे. वहीं अनिल उरांव भी कुख्यात अपराधी है. डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ के दौरान अपने अपराध स्वीकार किए हैं. अपराधियों ने पुलिस को बताया कि राहुल सिंह गिरोह के लिए वे लोग काम करते हैं और गिरोह के इशारे पर ही कोलियरी में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था.

रेल पुलिस के पहल से मूक बधिर पहुंची परिजनों के पास

जमशेदपुर : टाटानगर रेल पुलिस ने परसुडीह के ग्वालापट्टी से गायब मूक बधिर युवती बच्ची को चक्रधरपुर से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। रेल थाना प्रभारी तरुणा मिश्रा ने बताया कि, युवती के लापता होने की सूचना देकर उसकी मां ने फोटो भी उपलब्ध कराया था। इसके आधार पर स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर युवती के इतवारी एक्सप्रेस पर सवार होने की पुष्टि हुई। इससे रेल पुलिस के जवानों ने पूरे रास्ते कोच में जांच करने के बाद चक्रधरपुर स्टेशन पर मूक बधिर को बरामद कर लिया। इससे परिजनों ने रेल पुलिस की सराहना की है।

सेरेंगसिया शहीद स्मारक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अर्पित की श्रद्धांजलि, विकास योजनाओं की दी सौगात

संवाददाता

चाईबासा : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोटो ब्लॉक में ऐतिहासिक सेरेंगसिया शहीद स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम और आदिवासी अधिकारों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने स्मारक पर फूल चढ़ाए और उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए एक मिनट का मौन रखा।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि सेरेंगसिया की भूमि संघर्ष, साहस और बलिदान का प्रतीक है। यहां के शहीदों ने अपनी पहचान, अधिकारों और आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि इन बहादुर योद्धाओं का योगदान झारखंड के इतिहास में अमिट रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय ने झारखंड की संस्कृति, परंपराओं और पहचान को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शहीद स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए गंभीरता से काम कर रही है ताकि इन ऐतिहासिक स्थानों को राष्ट्रीय पहचान मिल सके।

श्रद्धांजलि देने के बाद, मुख्यमंत्री सेरेंगसिया शहीद श्रद्धांजलि, परियोजना उद्घाटन-शिलान्यास और संपत्ति वितरण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न विभागों में चयनित 1,479 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। नियुक्ति पत्र पाने वालों में काफी उत्साह देखा गया।

अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने ₹सरकार आपके द्वार₹ कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए गांवों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण इलाकों में बिजली की समस्या थी, लेकिन अब सरकार ने पुराने बिजली बिल माफ कर दिए हैं और 200 यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और कमजोर वर्गों के शोषण को रोकना है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 25 सालों में बीजेपी ने झारखंड को विकास के बजाय लूट का केंद्र बना दिया था, जबकि खटट सरकार अपने वादे पूरे कर रही है।

महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत अकेले पश्चिमी सिंहभूम में दो लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग के जरिए हजारों युवाओं को नौकरियां दी गई हैं और जनवरी 2026 तक 25,000-26,000 नियुक्तियां की गई हैं।

असम में आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने चिंता जताई और कहा कि वहां कई आदिवासी गांवों को जला दिया गया है और लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड का आदिवासी समुदाय असम में अपने भाइयों और बहनों के साथ खड़ा है, और अगर जरूरत पड़ी तो पूरा राज्य उनके समर्थन में आगे आएगा।

उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे इंजीनियर, डॉक्टर, क्अर और क्ढर अधिकारी बन सकें। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले योजना के तहत स्कूली बच्चों को मदद दी जा रही है और 18 से 50 साल की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये मिल रहे हैं।

कार्यक्रम के आखिर में, मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को इलाके में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर खास ध्यान देने का निर्देश दिया।

धनबाद में नहीं थम रहा बार एसोसिएशन और स्वास्थ्य विभाग का विवाद

अधिवक्ताओं का उग्र प्रदर्शन, सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता

धनबाद : बार एसोसिएशन और स्वास्थ्य विभाग के बीच जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सदर अस्पताल परिसर स्थित पार्किंग मार्ग पर दीवार निर्माण के बाद शुरू हुआ यह विवाद अब करीब एक सप्ताह से लगातार गहराता जा रहा है।

बार एसोसिएशन और स्वास्थ्य विभाग आमनेझसामने हैं और हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इसी कड़ी में सोमवार को अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था कुछ समय के लिए पूरी तरह प्रभावित रही।

बार एसोसिएशन धनबाद और स्वास्थ्य विभाग के बीच चल रहे आंदोलन के तहत आज बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर उपायुक्त आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सड़क जाम के कारण आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस दौरान कुछ स्थानों पर वाहन चालकों के साथ बदसलूकी की घटनाओं की भी सूचना है। प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि जब तक अधिवक्ताओं को पार्किंग के लिए वैकल्पिक और सुगम रास्ता नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की मांग पूरी तरह जायज है और जनप्रतिनिधियों को इस मामले में हस्तक्षेप कर समाधान निकालना चाहिए। वहीं, धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि प्रशासन की ओर से आंदोलन समाप्त कराने और विवाद सुलझाने की लगातार कोशिश की जा रही है। बार एसोसिएशन प्रशासन का अभिन्न अंग है। उन्होंने दोनों पक्षों से संयम और शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन सकारात्मक समाधान की दिशा में काम कर रहा है।

करीम सिटी कॉलेज में 'खगोलीय एवं मौसमीय प्रेक्षण' पर सफल वेबिनार का आयोजन

जमशेदपुरः करीम सिटी कॉलेज के भूगोल विभाग द्वारा 17वें वार्षिक कार्यशाला के उपलक्ष्य में ह्लखगोलीय एवं मौसमीय प्रेक्षणह्व विषय पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आकाशीय पिंडों के अध्ययन और मौसम विज्ञान की वैज्ञानिक बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि वे भौगोलिक अध्ययन में इनके व्यावहारिक महत्व को गहराई से समझ सकें। वेबिनार की शुरूआत भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. आले अली के परिचयात्मक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के पारस्परिक संबंधों तथा ऋतु परिवर्तन जैसी घटनाओं को समझने में खगोलीय प्रेक्षण की अनिवार्यता पर बल दिया।कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद रेयाज ने अपने स्वागत भाषण में विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को किताबी ज्ञान से परे व्यावहारिक भूगोल की समझ प्रदान करते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को क्षेत्रीय प्रेक्षण और आधुनिक उपकरणों के प्रयोग के प्रति प्रोत्साहित किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित 'इंटेंट टू सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड' के उपाध्यक्ष विकाश कुमार मिश्रा ने अपने व्याख्यान में आधुनिक तकनीकों, डेटा संग्रह और मौसम पूर्वानुमान के महत्व को साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि नियोजन, आपदा प्रबंधन और शहरी विकास में मौसमीय आँकड़ों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भूगोल के क्षेत्र में करियर की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित प्रश्न-उत्तर सत्र का समन्वय डॉ. फरजाना अंजुम और डॉ. पसारुल इस्लाम द्वारा किया गया, जहाँ विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। अंत में डॉ. एनायत बानो ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया। यह वेबिनार छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ।

माधो मुंडा ने अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए माधो मुंडा ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। अपने समर्थको के साथ चक्रधरपुर अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। जहाँ उन्होने निवार्ची पदाधिकारी केके मुंडू के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया।

एसडीएसएम स्कूल के बाहर भिड़े दो छात्र

सिदगोड़ा : थाना अंतर्गत एसडीएसएम स्कूल परिसर के बाहर मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दो छात्रों में मारपीट हो गई। घटना के बाद सूचना पाकर पुलिस पहुंची और दोनों को थाना ले गई जहां दोनों के परिजनों को भी बुलाया गया। तलाशी के क्रम में एक छात्र की जेब से चाकू बरामद किया गया है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों छात्र परीक्षा देकर निकले थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ विजय सिंह गागराई नेनगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

चक्रधरपुर : मंगलवार को चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष पद के डॉ विजय सिंह गागराई ने आदिवासी मित्र मंडल पोटका में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समर्थकों के साथ भव्य जुलूस निकाला। डॉ विजय सिंह गागराई ने निर्वाचन पदाधिकारी एलआरडीसी जेजे मुंडू को नामांकन पत्र सौंपा।

21 को शहर के साहित्यकार एक मंच पर साझा करेंगे अपनी जिंदगी की कहानियां

जमशेदपुर : जमशेदपुर में साहित्य प्रेमियों के लिए एक खास और अलग तरह की साहित्यिक संध्या होने जा रही है। साहित्य सिंधिका द्वारा आयोजित साहित्यिक आयोजन कलम का कारवां में शहर के कई प्रतिष्ठित साहित्यकार एक ही मंच पर अपनी ज़िंदगी से जुड़ी कहानियां साझा करेंगे। यह आयोजन केवल रचनाओं के पाठ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन अनुभवों और संघर्षों को सामने लाएगा, जो किसी लेखक के नाम और पहचान से पहले उसकी ज़िंदगी में घटते हैं।इस मंच पर वे लेखक अपनी बात रखेंगे, जिनकी रचनाएं आज लोगों तक पहुंच रही हैं, लेकिन जिनकी राह आसान नहीं रही। कोई शुरूआती दौर में लगातार अस्वीकृतियों से गुजरा, किसी को अपने लिखने पर ही संदेह हुआ, तो किसी को पारिवारिक और सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ा। कलम का कारवां इन सभी अनुभवों को बिना सजावट और दिखावे के साझा करने का अवसर देगा, ताकि साहित्य को उसके असली रूप में समझा जा सके। आयोजन की खास बात यह है कि यहां शहर के कई प्रतिष्ठित और अनुभवी चेहरे भी मौजूद रहेंगे, जिनकी उपस्थिति कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करेगी। लेकिन इस संध्या का केंद्र लेखक की सफलता नहीं, बल्कि उसकी यात्रा होगी। जब लेखक अपनी सच्ची कहानी साझा करता है, तो वह नए और युवा लेखकों के लिए फुटप्रिंट बन जाता है एक ऐसा रास्ता, जिससे होकर वे अपनी लेखकीय यात्रा को समझ पाते हैं।कलम का कारवां साहित्य को मंचीय औपचारिकता से बाहर निकालकर जीवन से जोड़ने की एक कोशिश है।

श्री श्री रधा गोविंद संकीर्तन समिति लक्ष्मीपोसी से द्वारा आयोजित 24 प्रहार हरि संकीर्तन आज

संवाददाता

राजनगर : श्री श्री राधा गोविंद हरिनाम संकीर्तन समिति लक्ष्मीपोसी , रूगड़ीसाई के द्वारा आयोजित माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर 24 प्रहार श्री श्री राधा गोविंद अखण्ड जुगल नाम यज्ञ दिनांक तीन फरवरी मंगलवार को महंत विदाई एवं श्री श्री गौरांग महाप्रभु हरि नाम प्रेम प्रसाद वितरण कर तथा रंग गुलाल के साथ अनुष्ठान का हुआ समापन। संकीर्तन समापन पर सैकड़ों महिला पुरुषों ने पूरे गांव में हरि नाम संकीर्तन कर भ्रमण किये , इससे पूरा गांव भक्तिमय हो गया। कमेटी के द्वारा सभी दर्शकगण को प्रसाद एवं खीर-खिचड़ी दिया गया। प्रभात महतो ने कहा कि हरि नाम भक्ति रूपी नाव का नाविक है इस कलियुग में अल्पायु नीव में एक पात्र हरिनाम से ही विभिन्न जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोगों में आपसी प्रेम , शांति भाव जागृति होती है तथा जीवन में सच्चा सुख एवं आनंद मिलता है।

खाली हाथ आए हैं , खाली हाथ चले जाएंगे , केवल प्रभु का गुणगान ही साथ में रहेगा। आसपास दूर दराज के हजारों दर्शकगण पहुंचे थे। समिति की ओर से तीन दिनों तक भंडारण का आयोजन किया गया, सभी दर्शकों को प्रसाद, खिचड़ी एवं खीर दिया गया। हरि संकीर्तन में योगदान देने वाली कीर्तन मण्डलियां का नाम :- अरुण महतो दारुदा , मानिक लायक दड़दा , वीरेंद्र दास गोस्वामी पाथरडीह, शंकर महतो काशीडीह , बैद्यनाथ प्रमाणिक पड़सा , नागेश्वर महतो लक्ष्मीपोसी। हरि संकीर्तन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष- नागेश्वर महतो , सचिव - मनु महतो , परशुराम महतो ,कोषाध्यक्ष - प्रभात महतो , सदस्य - लखिन्दर महतो , सोमनाथ महतो , बुद्धेश्वर महतो , शंभू सरदार , विजय महतो , लोधरो लोहार , महानंद महतो , डिबरु हेम्ब्रम , राजू महतो , टूटी हेम्ब्रम एवं ग्रामवासी का सहरनीय योगदान रहा।